नियामकीय परेशानी से यूनाइटेड स्पिरिट्स पर दबाव

आबकारी झटकों, नरम वॉल्यूम और घटते मार्जिन से वित्त वर्ष 2025-26 में सबसे बड़ी सूचीबद्ध शराब निर्माता कंपनी का स्वाद फीका पड़ा

राम प्रसाद साहू
मुंबई, 13 जुलाई

देश की सबसे बड़ी सूचीबद्ध शराब निर्माता कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट्स (यूएसएल) का शेयर पिछले एक महीने में 10 प्रतिशत तक गिर गया। इस क्षेत्र की अन्य कंपनियों के मुकाबले वह पीछे रह गया है। यह गिरावट महाराष्ट्र में आबकारी शुल्क में तेज वृद्धि, ऊंचे आधार प्रभाव और मार्जिन वृद्धि में अभाव के कारण आई। इन सभी कारणों से ब्रोकरों ने वित्त वर्ष 2026 के बिक्री और आय अनुमानों को घटा दिया है। उनके इस तरह का सतर्क रुख दो साल की मजबूत परिचालन और मुनाफा वृद्धि के बाद आया है। कई चुनौतियों की वजह से विश्लेषकों का मानना है कि अल्पावधि में शेयर पर दबाव रहेगा।

कुछ चेतावनी संकेत तो जल्द ही यानी अप्रैल-जून तिमाही के प्रदर्शन में ही दिख सकते हैं। लेकिन जहां संपूर्ण शराब निर्माण क्षेत्र नियामकीय दिकक्तों से जूझ रहा है, वहीं रेडिको खेतान जैसी कंपनियां अभी भी बढ़त में हैं।

यूएसएल के प्रेस्टीज ऐंड एबव (पीऐंडए) पोर्टफोलियो यानी शराब के महंगे ब्रांडों में धीमी वृद्धि की संभावना है। इसका एक कारण पिछले साल चुनाव के कारण जमा हुए भंडार का ऊंचा आधार है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि महाराष्ट्र में हाल के नीतिगत बदलावों का असर पहली तिमाही की बिक्री में भी दिख सकता है। यूएसएल की बिक्री में 6 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है, जो अगर आंध्र प्रदेश को अलग कर दें तो 3 प्रतिशत रह जाएगी। इसके विपरीत रेडिको में 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान है जो बाजार हिस्सेदारी बढ़ने और इनोवेशन के कारण बिक्री में 17.5 प्रतिशत की तेजी से संभव है।

यूएसएल के परिचालन मार्जिन पर भी दबाव के आसार हैं, क्योंकि बढ़ते विज्ञापन खर्च और कमजोर लागत दक्षता का प्रभाव देखा जा सकता है।

यूएसएल की पकड़ ढीली, रेडिको की बढ़त कायम

(वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही)

प्रदर्शन	यूनाइटेड स्पिरिट्स	रेडिको खेतान
शुद्ध बिक्री (करोड़ रुपये)	2,497	1,363
सालाना बदलाव (% में)	6.2	20
परिचालन लाभ (करोड़ रुपये)	412	195
सालाना बदलाव (% में)	-10	30.9
परिचालन लाभ मार्जिन (%)	16.5	14.3
शुद्ध लाभ (करोड़ रुपये)	289	110
सालाना बदलाव (% में)	-3.1	43.2

स्रोत: इलारा सिक्योरिटीज

यूएसएल के परिचालन मार्जिन में भी कमी की आशंका है जो ज्यादा विज्ञापन खर्च और कमजोर लागत लाभ के कारण सुस्त रह सकता है। इलारा सिक्योरिटीज के करण तौरानी का कहना है कि पिछले साल के ऊंचे आधार और पहली तिमाही में अग्रिम प्रचार खर्च की वजह से मार्जिन में 300 आधार अंक की कमी आ सकती है और यह सालाना आधार पर घटकर 16.5 प्रतिशत रह सकता है।

निवेशकों की एक बड़ी चिंता महाराष्ट्र सरकार द्वारा स्पिरिट पर उत्पाद शुल्क में भारी वृद्धि है। लोअर-प्रेस्टीज और मिड-प्रेस्टीज सेगमेंटों की खुदरा कीमतें 30-45 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। ये सेगमेंट यूएसएल की कुल बिक्री का 13 प्रतिशत और उसकी वैल्यू का 11 प्रतिशत हिस्सा हैं।

कोटक सिक्योरिटीज के विश्लेषक जयकुमार दोशी आगाह करते हैं कि यह कदम चिंताजनक है क्योंकि राज्य शराब पर कर का इस्तेमाल लोकलुभावन चुनावी वादों को पूरा करने के लिए कर रहे हैं और भारत में निर्मित विदेशी ब्रांडों के बजाय राज्य द्वारा उत्पादित शराब के पक्ष में नीतियां बना रहे हैं। नीतिगत स्तर पर अपेक्षाकृत खामोशी के बाद इस बदलाव ने नियामकीय अनिश्चितता की चिंता को फिर से बढ़ा दी है। ब्रोकरेज ने वित्त वर्ष 2026 से 2027-28 तक प्रति शेयर आय के अनुमानों को 3-6 प्रतिशत तक घटा दिया है।

दौलत कैपिटल को उत्पाद शुल्क में बढ़ोतरी से तीन तरफा नुकसान की आशंका दिखती है। विश्लेषक हिमांशु शाह और मोहित रजनी के अनुसार इसमें ऊंची खुदरा कीमतों के कारण बिक्री में कमी, सस्ते सेगमेंट की ओर झुकाव और चैनल मार्जिन को सहारा देने के लिए एक्स-डिस्टिलरी कीमतों में गिरावट शामिल है।

ब्रोकरेज को जुलाई-सितंबर तिमाही में और दबाव की आशंका है। ब्रोकरेज ने वित्त वर्ष 2026 के परिचालन लाभ अनुमानों में 4 प्रतिशत और शुद्ध आय में 13 प्रतिशत की कटौती की है जिससे 2026-27 के लिए पीई मल्टीपल 60 गुना से घटकर 50 गुना रह जाने का अनुमान है।

हालांकि कई ब्रोकर ऐसे कारक बता रहे हैं जो इस झटके को कम कर सकते हैं। इनमें दिल्ली सरकार की संशोधित आबकारी नीति, चुनावों के बाद बिहार में शराब बाजार का फिर से खुलना और भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते से संभावित लाभ शामिल हैं जिससे उत्पादन लागत में कमी आ सकती है। फिर भी नियामकीय अनिश्चितता और वृद्धि की अनिश्चित राह को देखते हुए ज्यादातर ब्रोकरेज ने इस शेयर पर 'तटस्थ' या 'बेचें' रेटिंग बरकरार रखी है।

आईपीओ में पिछले साल जैसी दिलचस्पी नहीं

सुंदर सेतुरामन
मुंबई, 13 जुलाई

पिछले साल सार्वजनिक निर्गमों (आईपीओ) में व्यक्तिगत निवेशकों की जिस तरह की दिलचस्पी नजर आई थी, वह 2025 में गायब है। कम से कम आवेदनों की संख्या से यही झलकता है। इस साल के पहले 28 आईपीओ में औसतन केवल 12.2 लाख रिटेल आवेदन आए हैं, जो 2024 में 91 आईपीओ में आए 19 लाख आवेदनों के मुकाबले 35.5 प्रतिशत कम है। अमीर लोगों यानी 'एचएनआई' की भागीदारी में भी गिरावट आई है जो प्रति निर्गम 31 प्रतिशत कम है।

जनवरी के बाद गिरावट शुरू हुई। उस महीने रिटेल बोलियों का औसत 32 लाख था, लेकिन फरवरी और जून के बीच यह घटकर केवल 7,80,000 रह गया। इसी अवधि में एचएनआई आवेदन 235,000 से घटकर 71,500 रह गए। हाल में आए 8 आईपीओ तो 10,000 एचएनआई आवेदन भी आकर्षित नहीं कर पाए। बाजार पर नजर रखने वाले जानकार लिस्टिंग के दिन के निराशाजनक प्रदर्शन और बड़े नामों वाले आईपीओ के अभाव को इस गिरावट का कारण बता रहे हैं।

प्राइम डेटाबेस के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिया ने कहा, 'छोटे निवेशक सामान्य तौर पर लिस्टिंग के दिन के फायदे के हिसाब को ध्यान में रखकर आईपीओ पर दांव लगाते हैं। वे ग्रे मार्केट प्रीमियम पर नजर रखते हैं और उसी हिसाब से निर्णय लेते हैं। बाजार नियामक सेबी के एक अध्ययन में इसकी पुष्टि हुई है। जब बाजार में तेजी रहती है तो वे फायदे की उम्मीद करते हैं। लेकिन जब ऐसा नहीं होता तो वे पीछे हट जाते हैं। इस साल की शुरुआत में हुई गिरावट के कारण लिस्टिंग लाभ पिछले साल जैसा नहीं रहा, जिस से रिटेल और एचएनआई कारोबार में गिरावट आई है।'

घटता आईपीओ आवेदन

साल	आईपीओ में औसत आवेदन	
	खुदरा	एचएनआई
2015	1,76,533	178
2016	4,43,060	572
2017	8,48,235	1,043
2018	5,15,399	766
2019	4,05,765	885
2020	12,77,053	3,792
2021	14,24,660	4,341
2022	5,66,178	19,470
2023	13,21,039	80,357
2024	18,86,784	1,44,044
2025*	12,17,125	99,042

एचएनआई : धनाढ्य निवेशक * 2025 के आंकड़े 10 जुलाई तक के
स्रोत : प्राइम डेटाबेस

सेबी के सितंबर 2024 के एक अध्ययन से पता चलता है कि रिटेल निवेशकों को आवंटित 42.7 प्रतिशत शेयर एक सप्ताह के भीतर ही बिक गए। अमीर निवेशकों के लिए यह आंकड़ा और भी ज्यादा (63.3 प्रतिशत) था। इस साल आईपीओ ने पहले दिन औसतन सिर्फ 13 प्रतिशत का लाभ दिया है जो पिछले साल के 30 प्रतिशत के आधे से भी कम है। कई मामलों में निवेशकों ने पहले ही दिन घाटा दर्ज किया है।

व्यापक बाजार ने आईपीओ के प्रति रिटेल निवेशकों के उत्साह बढ़ाने में न के बराबर योगदान दिया है। कमजोर आय, अमेरिकी टैरिफ अनिश्चितता और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निकासी के कारण हुई वैश्विक बिकवाली ने शेयर बाजार को नीचे धकेल दिया। मार्च दो साल में पहला ऐसा महीना रहा, जब एक भी आईपीओ नहीं आया। अमेरिका के टैरिफ वृद्धि पर रोक लगाने और भारतीय रिजर्व बैंक के ब्याज दरों में कटौती शुरू करने के बाद ही बाजार में सुधार हुआ जिससे अप्रैल के निचले स्तर से बाजार में 15 प्रतिशत की उछाल आई। मई और जून के बीच 14 आईपीओ आए जिनसे 26,671 करोड़ रुपये जुटाए गए।

एचडीबी फाइनैंशियल सर्विसेज, क्रिजैक और एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज सहित कुछ नई लिस्टिंग ने पहले दिन ही अच्छा लाभ दिया है। इस आधार पर बैंकरों का कहना है कि लोगों की दिलचस्पी फिर से बढ़ सकती है। उनका यह भी तर्क है कि हालांकि आवेदनों का आकार कम हुआ है लेकिन खुदरा तरलता बरकरार है।

सेंट्रम कैपिटल में निवेश बैंकिंग पार्टनर प्रांजल श्रीवास्तव ने कहा, 'म्युचुअल फंडों की व्यवस्थित निवेश योजनाओं (एसआईपी) में निरंतर योगदान को देखते हुए बाजारों में खुदरा भागीदारी मजबूत बनी हुई है। इससे लगता है कि आईपीओ में भागीदारी भी मजबूत हो सकती है। आवेदनों की संख्या भले ही कम हो, लेकिन उनकी वैल्यू पिछले साल के बराबर ही है।'

बाजार
हलचल

निफ्टी में उतारचढ़ाव जारी रहेगा

निफ्टी-50 पिछले एक पखवाड़े में 2 फीसदी लुढ़क चुका है और इसमें उतारचढ़ाव जारी रहने की संभावना है क्योंकि टैरिफ की सुर्खियां और आय के सीजन की धीमी शुरुआत संयोग से एक ही समय पर देखने को मिली। 25,150 के आखिरी बंद स्तर पर सूचकांक अपने 20 दिन के एक्सपोनेंशियल मूविंग ऐवरेज से नीचे फिसल गया। सैमको सिक्योरिटीज के डेरिवेटिव विश्लेषक धुपेश धमीजा का मानना है कि यह एक नकारात्मक संकेत है, जो आगे भी कमजोरी बने रहने की ओर इशारा करता है। उन्होंने कहा कि साप्ताहिक चार्ट, कमजोर बंद स्तर और बाजार में चढ़ने व गिरने वाले शेयरों का घटता अनुपात इस निराशा को और पुष्ट करती है। धमीजा ने कहा, 25,300 का स्तर प्रतिरोध स्तर बन गया है। शुक्रवार के 25,129 के निचले स्तर के टूटने से और अधिक गिरावट की गुंजाइश बनेगी। केवल 25,350 से ऊपर की निरंतर बढ़त ही तेजड़ियों को फिर से लुभाएगी।

एसबीआई ला रहा बड़ा क्यूआईपी

भारतीय स्टेट बैंक पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 25,000 करोड़ रुपये जुटाने जा रहा है, जो देसी बाजार में अब तक का सबसे बड़ा क्यूआईपी होगा। बैंक का शेयर 2026-27 के खाताबही और उधारी की वृद्धि के 1.3 गुने पर कारोबार कर रहा है, जो पूरे सिस्टम को पीछे छोड़ रहा है, ऐसे में मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। यह पेशकश एसबीआई को जून 2017 के क्यूआईपी की याद ताजा करने का मौका देगी। तब बैंक ने 287.25 रुपये के भाव पर 15,000 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे, पर अगले कुछ महनों में कीमतें 15 फीसदी से ज्यादा घट गई थी। एक बैंकर ने कहा, यह सौदा तब आया था जब सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को लेकर सेंटिमेंट कमजोर था, हालांकि आज स्थिति काफी अलग है।

ग्रे मार्केट में हलचल

एंथम बायोसाइंसेज के 3,395 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम से पहले ग्रे मार्केट में इसका प्रीमियम 20 फीसदी है, जो हाल के इश्यू के अच्छे जीएमपी में से एक है। यह प्रीमियम इस कंपनी के लिए निवेशकों की तरफ से किए जाने वाले भुगतान की इच्छा को प्रतिबिंबित करता है क्योंकि ज्यादातर सूचीबद्ध समकक्ष कंपनियो का पीई पहले से ही 80 गुना है। 31,867 करोड़ रुपये की बाजार कीमत पर एंथम का मूल्यांकन 2024-25 के उसके 451 करोड़ रुपये के मुनाफे का 70 गुना है। जिस पर विश्लेषकों का तर्क है कि कंपनी के नकदी भंडार, उच्च वृद्धि और बेमिसाल शुल्क-सेवा मॉडल को देखते हुए यह मूल्य निर्धारण उचित है।

संकलन : समी मोडक

रेलिगेयर में गवर्नेंस पर इनगवर्न ने जताई चिंता

इनगवर्न रिसर्च सर्विसेज ने रेलिगेयर एंटरप्राइजेज (आरईएल) में गवर्नेंस को लेकर संभावित खामियां, उसकी स्वास्थ्य बीमा शाखा केयर हेल्थ इंश्योरेंस (सीएचआईएल) में अघोषित हितों के टकराव और पूर्व चेयरमैन रश्मि सलूजा को दिए गए इम्पलॉई स्टॉक ऑप्शंस (ईएसओपी) की वापसी को लेकर लगातार अस्पष्टता पर चिंता जताई है।

इनगवर्न का कहना है कि प्रताप वेणुगोपाल की दोहरी भूमिका से गवर्नेंस पर मौलिक सवाल उठते हैं। वे आरईएल के बाहरी कानूनी सलाहकार के साथ-साथ केयर हेल्थ इंश्योरेंस में स्वतंत्र निदेशक भी थे।

फर्म का तर्क है कि इस व्यवस्था के कारण आरईएल की नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) की स्वतंत्रता से समझौता हुआ है और ऐसा लगता है कि विवाद पर डिस्क्लोजर को पारदर्शी रूप से नहीं बताया गया।

रेलिगेयर ने ईमेल के जवाब में कहा, आईआरडीएआई ने आदेश जारी कर सलूजा को ईसॉप्स जारी करने को अवैध ठहराया था। केयर हेल्थ इंश्योरेंस ने सलूजा के निर्देशों पर सैट के समक्ष अपील दायर की थी, जो उस समय कंपनी के निदेशक मंडल में गैर-कार्यकारी अध्यक्ष थी। सलूजा को बोर्ड से हटाए जाने के बाद कंपनी ने अपील वापस लेने का फैसला किया। हम आगे कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते क्योंकि इन मसलों की आंतरिक रूप से जांच की जा रही है।

जुलाई 2024 में बीमा नियामक आईआरडीएआई ने केयर हेल्थ पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था और उसे 45.32 रुपये प्रति शेयर की दर से दिए गए 75.7 लाख ईसॉप्स वापस खरीदने और बाकी 151.4 लाख को रद्द करने का आदेश दिया था। इनगवर्न की रिपोर्ट में कहा गया है कि केयर हेल्थ के 80 फीसदी से अधिक ईसॉप्स सलूजा को आवंटित किए गए थे जो कंपनी की शेयर पूंजी का 2.5 फीसदी हैं और जिनकी लागत अंततः आरईएल के शेयरधारकों ने उठाई। स्वीकृत शेयरों की कीमत उस 110 रुपये प्रति शेयर की आधी से भी कम थी जिस पर आरईएल ने बाद में इक्विटी जुटाई थी। इससे निष्पक्षता पर संदेह पैदा हुआ था। *बीएस*

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. NOT FOR RELEASE, PUBLICATION OR DISTRIBUTION DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

(Please scan this QR Code to view the DRHP)

PUBLIC ANNOUNCEMENT

R.P. MULTIMETALS LIMITED

R. P. MULTIMETALS LIMITED

(Formerly known as R. P. Multimetals Private Limited)
Corporate Identification Number: U27109PB1997PLC020837

Our Company was originally incorporated on December 15, 1997, as a Private Limited Company as "R. P. Multimetals Private Limited" vide Registration No. 020837 under the provisions of the Companies Act, 1956 with the Registrar of Companies, Punjab, H.P. & Chandigarh. Subsequently, pursuant to a special resolution passed by the Shareholders at their Extraordinary General Meeting held on October 07, 2024, our Company was converted from a Private Limited Company to Public Limited Company and consequently, the name of our Company was changed to "R. P. Multimetals Limited" and a Fresh Certificate of Incorporation consequent to Conversion was issued on November 06, 2024, by the Central Processing Centre. The Corporate Identification Number of our Company is U27109PB1997PLC020837. For further details of change in name and change in Registered Office of our Company, please refer to section titled 'Our History and Certain Other Corporate Matters' beginning on page 193 of the Draft Red Herring Prospectus.

Registered Office: Amloh Road, Village Salani, Mandi Gobindgarh, Salana, Fatehgarh Sahib, Amloh (P), Punjab, India, 147301
Contact Person: Ms. Rajwinder Kaur Email Id: compliance@rpmultimetals.in Tel No: +91 9914209919; Website: https://rpmultimetals.in/
Promoters of our Company: Mr. Narain Singla, Mr. Ashish Singla, Mr. Gopal Singla, Mr. Yograj Singla and M/s Gopal Castings Private Limited

"THE ISSUE IS BEING MADE IN ACCORDANCE WITH CHAPTER IX OF THE SEBI ICDR REGULATIONS (IPO OF SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES) AND THE EQUITY SHARES ARE PROPOSED TO BE LISTED ON SME PLATFORM OF BSE LIMITED."

THE ISSUE

INITIAL PUBLIC ISSUE OF UP TO 50,47,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10.00 EACH ("EQUITY SHARES") OF R. P. MULTIMETALS LIMITED (THE "COMPANY" OR THE "ISSUER") FOR CASH AT A PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE (THE "ISSUE PRICE") AGGREGATING UP TO ₹ [●] LAKHS ("THE ISSUE") OF WHICH UP TO 2,53,000 EQUITY SHARES AGGREGATING TO ₹ [●] LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY MARKET MAKER TO THE ISSUE (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE ISSUE LESS THE MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. NET ISSUE OF UP TO 47,94,000 EQUITY SHARES AGGREGATING TO ₹ [●] LAKHS (THE "NET ISSUE"). THE ISSUE AND THE NET ISSUE WILL CONSTITUTE 26.50% AND 25.17% RESPECTIVELY OF THE POST ISSUE PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

THE PRICE BAND AND THE MINIMUM BID LOT WILL BE DECIDED BY OUR COMPANY IN CONSULTATION WITH THE BRLMS AND WILL BE ADVERTISED IN [●] EDITION OF [●] (A WIDELY CIRCULATED ENGLISH NATIONAL DAILY NEWSPAPER) AND [●] EDITION OF [●] (A WIDELY CIRCULATED HINDI NATIONAL DAILY NEWSPAPER, AND [●] EDITION OF [●], A PUNJABI REGIONAL NEWSPAPER (PUNJABI BEING THE REGIONAL LANGUAGE OF MANDI GOBINDGARH WHERE OUR REGISTERED OFFICE IS LOCATED), AT LEAST TWO WORKING DAYS PRIOR TO THE BID/ISSUE OPENING DATE AND SHALL BE MADE AVAILABLE TO THE SME PLATFORM OF BSE LIMITED ("BSE SME") FOR THE PURPOSES OF UPLOADING ON THEIR WEBSITE.

In case of any revision in the Price Band, the Bid/Issue Period shall be extended for at least three additional Working Days after such revision of the Price Band, subject to the total Bid/Issue Period not exceeding ten Working Days. In cases of force majeure, banking strike or similar unforeseen circumstances, our Company, for reasons to be recorded in writing, extends the Bid/Issue Period for a minimum of one working day, subject to the Bid/Issue Period not exceeding ten working days. Any revision in the Price Band, and the revised Bid/Issue Period, if applicable, shall be widely disseminated by notification to the Stock Exchanges by issuing a press release and also by indicating the change on the website of the BRLM and at the terminals of the Members of the Syndicate and by intimation to Designated Intermediaries and Sponsor Bank.

This Issue is being made through the Book Building Process, in terms of Rule 19(2)(b) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended ("SCRR") read with Regulation 229 of the SEBI ICDR Regulations and in compliance with Regulation 253 of the SEBI ICDR Regulations wherein not more than 50.00% of the Net Issue shall be available for allocation on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers ("QIBs") (the "QIB Portion"), provided that our Company in consultation with the BRLM may allocate up to 60.00% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis in accordance with the SEBI ICDR Regulations ("Anchor Investor Portion"), of which one-third shall be reserved for domestic Mutual Funds, subject to valid Bids being received from domestic Mutual Funds at or above the Anchor Investor Allocation Price. In the event of under-subscription or non-allocation in the Anchor Investor Portion, the balance Equity Shares shall be added to the Net QIB Portion (other than the Anchor Investor Portion) ("Net QIB Portion"). Further, 5.00% of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to Mutual Funds only, and the remainder of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to all QIB Bidders, including Mutual Funds, subject to valid Bids being received at or above the Issue Price. However, if the aggregate demand from Mutual Funds is less than 5.00% of the Net QIB Portion, the balance Equity Shares available for allocation in the Mutual Fund Portion will be added to the remaining Net QIB Portion for proportionate allocation to QIBs. Further, not less than 15.00% of the Net Offer shall be available for allocation on a proportionate basis to Non-Institutional Investors (where one third of the portion available to non-institutional investors shall be reserved for applicants with application size of more than two lots and up to such lots equivalent to not more than ₹ 10 lakhs and two third of the portion available to non-institutional investors shall be reserved for applicants with application size of more than ₹ 10 lakhs) and not less than 35.00% of the Net Offer shall be available for allocation to Individual Investors who applies for minimum application size in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids being received from them at or above the Issue Price. All potential Bidders (except Anchor Investors) are required to mandatorily utilise the Application Supported by Blocked Amount ("ASBA") process providing details of their respective ASBA accounts, and UPI ID in case of IBs using the UPI Mechanism, if applicable, in which the corresponding Bid Amounts will be blocked by the SCSBs or by the Sponsor Bank under the UPI Mechanism, as the case may be, to the extent of respective Bid Amounts. Anchor Investors are not permitted to participate in the Issue through the ASBA process. For details, see "Issue Procedure" beginning on page 322 of this Draft Red Herring Prospectus.

This public announcement is being made in compliance with the Regulation 247 of SEBI (ICDR) Regulations, 2018 and SEBI (ICDR) (Amendment) Regulations, 2025 vide notification dated March 03rd, 2025, and applicability of corporate governance provisions under SEBI (LODR) Regulations, 2015 on SME companies to inform the public that our Company is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake initial public offering of its Equity Shares pursuant to the offer and DRHP dated July 09, 2025 which has been filed with the SME Platform of BSE Limited.

Pursuant to SEBI (ICDR) (Amendment) Regulations, 2025 on March 03rd, 2025 and applicability of corporate governance provisions under SEBI (LODR) Regulations, 2015 on SME companies, for fulfilling all additional eligibility criteria, the DRHP filed with the SME Platform of BSE Limited (BSE SME) shall be made available to the public for comments, if any, for a period of at least 21 days, from the date of such filing by hosting it on the website of the BSE at https://www.bsesme.com/PublicIssues/SMEIPODRHP.aspx and the website of the Company at https://rpmultimetals.in/ and at the website of BRLM i.e. Fintellectual Corporate Advisors Private Limited at www.fintellectualadvisors.com. Our Company hereby invites the members of the public to give their comments on the DRHP filed with the SME Platform of BSE Limited (BSE SME) with respect to disclosures made in DRHP. The members of the public is requested to send a copy of their comments to Stock Exchange, to Company Secretary and Compliance Officer of our Company and/or the BRLM at their respective addresses mentioned below. All comments must be received by BSE, and/or our Company and/or Company Secretary and Compliance Officer of our Company and/or the BRLM in relation to the offer on or before 5 p.m. on the 21st day from the aforesaid date of filing the DRHP with BSE SME.

Investments in Equity and Equity related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this issue unless they can afford to take the risk of losing their entire investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in the Issue. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of our Company and the Issue including the risks involved. The Equity Shares issued in the Issue have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India ("SEBI"), nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the Draft Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to the section "Risk Factors" beginning on page 29 of this Draft Red Herring Prospectus.

Any decision to invest in the equity shares described in the Draft Red Herring Prospectus may only be taken after a Red Herring Prospectus has been filed with the ROC and must be made solely on the basis of such Red Herring Prospectus as there may be material changes in the Red Herring Prospectus from the Draft Red Herring Prospectus. The equity shares, when offered through the Red Herring Prospectus, are proposed to be listed on SME Platform of BSE LIMITED ("SME BSE").

For details of the share capital and capital structure of our Company and the names of the signatories to the Memorandum of Association and the number of shares subscribed by them of our Company, see "Capital Structure" beginning on page 83 of the Draft Red Herring Prospectus. The liability of the members of our Company is limited. For details of the main objects of our Company as contained in our Memorandum of Association, see "Our History and Certain Other Corporate Matters " beginning on page 193 of the Draft Red Herring Prospectus.

BOOK RUNNING LEAD MANAGER	REGISTRAR TO THE ISSUE	COMPANY SECRETARY AND COMPLIANCE OFFICER
FINTELLECTUAL CORPORATE ADVISORS	Skyline Financial Services Pvt. Ltd.	**Ms. Rajwinder Kaur** **Address:** Amloh Road, Village Salani, Mandi Gobindgarh, Salana, Fatehgarh Sahib, Amloh (P), Punjab, India, 147301 **Tel.:** +91 9914209919; **E-mail:** compliance@rpmultimetals.in **Website:** https://rpmultimetals.in/
FINTELLECTUAL CORPORATE ADVISORS PRIVATE LIMITED **SEBI Registration No.:** INM000012944 **Address:** B-20, Second Floor, Sector- 1, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh- 201301 **Telephone No:** +91-120-4266080 **Website:** www.fintellectualadvisors.com **Email ID:** ipo@fintellectualadvisors.com Contact Person: Mr. Amit Puri/ Mr. Pramod Negi	**SKYLINE FINANCIAL SERVICES PRIVATE LIMITED** **SEBI Registration No.:** INR000003241 **Address:** D-153A, 1st Floor, Okhla Industrial Area Phase-I, New Delhi - 110020, India **Telephone No:** 011-40450193-197 **Email:** ipo@skylinerta.com **Website:** https://www.skylinerta.com/ **Contact Person:** Mr. Anuj Rana	*Investors can contact our Company Secretary and Compliance Officer, the Lead Managers or the Registrar to the Issue, in case of any pre-issue or post-issue related problems, such as non-receipt of letters of allotment, non-credit of allotted Equity Shares in the respective beneficiary account, non-receipt of refund orders and non-receipt of funds by electronic mode etc.*

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed to them in the DRHP.

For R. P. Multimetals Limited
On Behalf of the Board of Directors
Sd/-
Ms. Rajwinder Kaur
Company Secretary and Compliance Officer

Place: Mandi Gobindgarh, Punjab
Date: July 11, 2025

Disclaimer: R. P. Multimetals Limited is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to make an initial public offer of its Equity Shares and has filed the Draft Red Herring Prospectus on July 11, 2025. The Draft Red Herring Prospectus is available on the website of BSE SME at https://www.bsesme.com/PublicIssues/SMEIPODRHP.aspx and is available on the websites of the BRLM at www.fintellectualadvisors.com and also on the website of the Company https://rpmultimetals.in/. Any potential investors should note that Investments in Equity and Equity related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this issue unless they can afford to take the risk of losing their entire investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in the Issue. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of our Company and the Issue including the risks involved. The Equity Shares issued in the Issue have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India ("SEBI"), nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the Draft Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to the section "Risk Factors" beginning on page 29 of this Draft Red Herring Prospectus.

The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S Securities Act of 1933, as amended (U.S. Securities Act) or any state securities laws in the United States and may not be offered or sold within the United States or to, or for the account or benefit of, U.S Persons (as defined in Regulation), except pursuant to exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities laws. Accordingly, the Equity Shares are being offered and sold only outside the United States in offshore transaction in reliance on Regulation S under the U.S Securities Act and the applicable laws of the jurisdiction where those offers and sale occur. The Equity Shares have not been and will not be registered, listed or otherwise qualified in any other jurisdiction outside India and may not be offered or sold, and application may not be made by persons in any such jurisdiction, except in compliance with the applicable laws of such jurisdiction.

नियामकीय परेशानी से यूनाइटेड स्पिरिट्स पर दबाव

आबकारी झटकों, नरम वॉल्यूम और घटते मार्जिन से वित्त वर्ष 2025-26 में सबसे बड़ी सूचीबद्ध शराब निर्माता कंपनी का स्वाद फीका पड़ा

राम प्रसाद साहू
मुंबई, 13 जुलाई

देश की सबसे बड़ी सूचीबद्ध शराब निर्माता कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट्स (यूएसएल) का शेयर पिछले एक महीने में 10 प्रतिशत तक गिर गया। इस क्षेत्र की अन्य कंपनियों के मुकाबले वह पीछे रह गया है। यह गिरावट महाराष्ट्र में आबकारी शुल्क में तेज वृद्धि, ऊंचे आधार प्रभाव और मार्जिन वृद्धि में अभाव के कारण आई। इन सभी कारणों से ब्रोकरों ने वित्त वर्ष 2026 के बिक्री और आय अनुमानों को घटा दिया है। उनके इस तरह का सतर्क रुख दो साल की मजबूत परिचालन और मुनाफा वृद्धि के बाद आया है। कई चुनौतियों की वजह से विश्लेषकों का मानना है कि अल्पावधि में शेयर पर दबाव रहेगा।

कुछ चेतावनी संकेत तो जल्द ही यानी अप्रैल-जून तिमाही के प्रदर्शन में ही दिख सकते हैं। लेकिन जहां संपूर्ण शराब निर्माण क्षेत्र नियामकीय दिकक्तों से जूझ रहा है, वहीं रेडिको खेतान जैसी कंपनियां अभी भी बढ़त में हैं।

यूएसएल के प्रेस्टीज ऐंड एबव (पीऐंडए) पोर्टफोलियो यानी शराब के महंगे ब्रांडों में धीमी वृद्धि की संभावना है। इसका एक कारण पिछले साल चुनाव के कारण जमा हुए भंडार का ऊंचा आधार है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि महाराष्ट्र में हाल के नीतिगत बदलावों का असर पहली तिमाही की बिक्री में भी दिख सकता है। यूएसएल की बिक्री में 6 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है, जो अगर आंध्र प्रदेश को अलग कर दें तो 3 प्रतिशत रह जाएगी। इसके विपरीत रेडिको में 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान है जो बाजार हिस्सेदारी बढ़ने और इनोवेशन के कारण बिक्री में 17.5 प्रतिशत की तेजी से संभव है।

यूएसएल के परिचालन मार्जिन पर भी दबाव के आसार हैं, क्योंकि बढ़ते विज्ञापन खर्च और कमजोर लागत दक्षता का प्रभाव देखा जा सकता है।

यूएसएल के परिचालन मार्जिन में भी कमी की आशंका है जो ज्यादा विज्ञापन खर्च और कमजोर लागत लाभ के कारण सुस्त रह सकता है। इलारा सिक्योरिटीज के करण तौरानी का कहना है कि पिछले साल के ऊंचे आधार और पहली तिमाही में अग्रिम प्रचार खर्च की वजह से मार्जिन में 300 आधार अंक की कमी आ सकती है और यह सालाना आधार पर घटकर 16.5 प्रतिशत रह सकता है।

यूएसएल की पकड़ ढीली, रेडिको की बढ़त कायम

(वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही)

प्रदर्शन	यूनाइटेड स्पिरिट्स	रेडिको खेतान
शुद्ध बिक्री (करोड़ रुपये)	2,497	1,363
सालाना बदलाव (% में)	6.2	20
परिचालन लाभ (करोड़ रुपये)	412	195
सालाना बदलाव (% में)	-10	30.9
परिचालन लाभ मार्जिन (%)	16.5	14.3
शुद्ध लाभ (करोड़ रुपये)	289	110
सालाना बदलाव (% में)	-3.1	43.2

स्रोत: इलारा सिक्योरिटीज

निवेशकों की एक बड़ी चिंता महाराष्ट्र सरकार द्वारा स्पिरिट पर उत्पाद शुल्क में भारी वृद्धि है। लोअर-प्रेस्टीज और मिड-प्रेस्टीज सेगमेंटों की खुदरा कीमतें 30-45 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। ये सेगमेंट यूएसएल की कुल बिक्री का 13 प्रतिशत और उसकी वैल्यू का 11 प्रतिशत हिस्सा हैं।

कोटक सिक्योरिटीज के विश्लेषक जयकुमार दोशी आगाह करते हैं कि यह कदम चिंताजनक है क्योंकि राज्य शराब पर कर का इस्तेमाल लोकलुभावन चुनावी वादों को पूरा करने के लिए कर रहे हैं और भारत में निर्मित विदेशी ब्रांडों के बजाय राज्य द्वारा उत्पादित शराब के पक्ष में नीतियां बना रहे हैं। नीतिगत स्तर पर अपेक्षाकृत खामोशी के बाद इस बदलाव ने नियामकीय अनिश्चितता की चिंता को फिर से बढ़ा दी है। ब्रोकरेज ने वित्त वर्ष 2026 से 2027-28 तक प्रति शेयर आय के अनुमानों को 3-6 प्रतिशत तक घटा दिया है।

दौलत कैपिटल को उत्पाद शुल्क में बढ़ोतरी से तीन तरफा नुकसान की आशंका दिखती है। विश्लेषक हिमांशु शाह और मोहित रजनी के अनुसार इसमें ऊंची खुदरा कीमतों के कारण बिक्री में कमी, सस्ते सेगमेंट की ओर झुकाव और चैनल मार्जिन को सहारा देने के लिए एक्स-डिस्टिलरी कीमतों में गिरावट शामिल है।

ब्रोकरेज को जुलाई-सितंबर तिमाही में और दबाव की आशंका है। ब्रोकरेज ने वित्त वर्ष 2026 के परिचालन लाभ अनुमानों में 4 प्रतिशत और शुद्ध आय में 13 प्रतिशत की कटौती की है जिससे 2026-27 के लिए पीई मल्टीपल 60 गुना से घटकर 50 गुना रह जाने का अनुमान है।

हालांकि कई ब्रोकर ऐसे कारक बता रहे हैं जो इस झटके को कम कर सकते हैं। इनमें दिल्ली सरकार की संशोधित आबकारी नीति, चुनावों के बाद बिहार में शराब बाजार का फिर से खुलना और भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते से संभावित लाभ शामिल हैं जिससे उत्पादन लागत में कमी आ सकती है। फिर भी नियामकीय अनिश्चितता और वृद्धि की अनिश्चित राह को देखते हुए ज्यादातर ब्रोकरेज ने इस शेयर पर 'तटस्थ' या 'बेचें' रेटिंग बरकरार रखी है।

आईपीओ में पिछले साल जैसी दिलचस्पी नहीं

सुंदर सेतुरामन
मुंबई, 13 जुलाई

पिछले साल सार्वजनिक निर्गमों (आईपीओ) में व्यक्तिगत निवेशकों की जिस तरह की दिलचस्पी नजर आई थी, वह 2025 में गायब है। कम से कम आवेदनों की संख्या से यही झलकता है। इस साल के पहले 28 आईपीओ में औसतन केवल 12.2 लाख रिटेल आवेदन आए हैं, जो 2024 में 91 आईपीओ में आए 19 लाख आवेदनों के मुकाबले 35.5 प्रतिशत कम है। अमीर लोगों यानी 'एचएनआई' की भागीदारी में भी गिरावट आई है जो प्रति निर्गम 31 प्रतिशत कम है।

जनवरी के बाद गिरावट शुरू हुई। उस महीने रिटेल बोलियों का औसत 32 लाख था, लेकिन फरवरी और जून के बीच यह घटकर केवल 7,80,000 रह गया। इसी अवधि में एचएनआई आवेदन 235,000 से घटकर 71,500 रह गए। हाल में आए 8 आईपीओ तो 10,000 एचएनआई आवेदन भी आकर्षित नहीं कर पाए। बाजार पर नजर रखने वाले जानकार लिस्टिंग के दिन के निराशाजनक प्रदर्शन और बड़े नामों वाले आईपीओ के अभाव को इस गिरावट का कारण बता रहे हैं।

प्राइम डेटाबेस के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिया ने कहा, 'छोटे निवेशक सामान्य तौर पर लिस्टिंग के दिन के फायदे के हिसाब को ध्यान में रखकर आईपीओ पर दांव लगाते हैं। वे ग्रे मार्केट प्रीमियम पर नजर रखते हैं और उसी हिसाब से निर्णय लेते हैं। बाजार नियामक सेबी के एक अध्ययन में इसकी पुष्टि हुई है। जब बाजार में तेजी रहती है तो वे फायदे की उम्मीद करते हैं। लेकिन जब ऐसा नहीं होता तो वे पीछे हट जाते हैं। इस साल की शुरुआत में हुई गिरावट के कारण लिस्टिंग लाभ पिछले साल जैसा नहीं रहा, जिस से रिटेल और एचएनआई कारोबार में गिरावट आई है।'

सेबी के सितंबर 2024 के एक अध्ययन से पता चलता है कि रिटेल निवेशकों को आवंटित 42.7 प्रतिशत शेयर एक सप्ताह के भीतर ही बिक गए। अमीर निवेशकों के लिए यह आंकड़ा और भी ज्यादा (63.3 प्रतिशत) था। इस साल आईपीओ ने पहले दिन औसतन सिर्फ 13 प्रतिशत का लाभ दिया है जो पिछले साल के 30 प्रतिशत के आधे से भी कम है। कई मामलों में निवेशकों ने पहले ही दिन घाटा दर्ज किया है।

व्यापक बाजार ने आईपीओ के प्रति रिटेल निवेशकों के उत्साह बढ़ाने में न के बराबर योगदान दिया है। कमजोर आय, अमेरिकी टैरिफ अनिश्चितता और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निकासी के कारण हुई वैश्विक बिकवाली ने शेयर बाजार को नीचे धकेल दिया। मार्च दो साल में पहला ऐसा महीना रहा, जब एक भी आईपीओ नहीं आया। अमेरिका के टैरिफ वृद्धि पर रोक लगाने और भारतीय रिजर्व बैंक के ब्याज दरों में कटौती शुरू करने के बाद ही बाजार में सुधार हुआ जिससे अप्रैल के निचले स्तर से बाजार में 15 प्रतिशत की उछाल आई। मई और जून के बीच 14 आईपीओ आए जिनसे 26,671 करोड़ रुपये जुटाए गए।

एचडीबी फाइनैंशियल सर्विसेज, क्रिजैक और एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज सहित कुछ नई लिस्टिंग ने पहले दिन ही अच्छा लाभ दिया है। इस आधार पर बैंकरों का कहना है कि लोगों की दिलचस्पी फिर से बढ़ सकती है। उनका यह भी तर्क है कि हालांकि आवेदनों का आकार कम हुआ है लेकिन खुदरा तरलता बरकरार है।

सेंट्रम कैपिटल में निवेश बैंकिंग पार्टनर प्रांजल श्रीवास्तव ने कहा, 'म्युचुअल फंडों की व्यवस्थित निवेश योजनाओं (एसआईपी) में निरंतर योगदान को देखते हुए बाजारों में खुदरा भागीदारी मजबूत बनी हुई है। इससे लगता है कि आईपीओ में भागीदारी भी मजबूत हो सकती है। आवेदनों की संख्या भले ही कम हो, लेकिन उनकी वैल्यू पिछले साल के बराबर ही है।'

घटता आईपीओ आवेदन

साल	आईपीओ में औसत आवेदन	
	खुदरा	एचएनआई
2015	1,76,533	178
2016	4,43,060	572
2017	8,48,235	1,043
2018	5,15,399	766
2019	4,05,765	885
2020	12,77,053	3,792
2021	14,24,660	4,341
2022	5,66,178	19,470
2023	13,21,039	80,357
2024	18,86,784	1,44,044
2025*	12,17,125	99,042

एचएनआई : धनाढ्य निवेशक * 2025 के आंकड़े 10 जुलाई तक के
स्रोत : प्राइम डेटाबेस

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. NOT FOR RELEASE, PUBLICATION OR DISTRIBUTION DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

(Please scan this QR Code to view the DRHP)

PUBLIC ANNOUNCEMENT

R.P. MULTIMETALS LIMITED

R. P. MULTIMETALS LIMITED

(Formerly known as R. P. Multimetals Private Limited)
Corporate Identification Number: U27109PB1997PLC020837

Our Company was originally incorporated on December 15, 1997, as a Private Limited Company as "R. P. Multimetals Private Limited" vide Registration No. 020837 under the provisions of the Companies Act, 1956 with the Registrar of Companies, Punjab, H.P. & Chandigarh. Subsequently, pursuant to a special resolution passed by the Shareholders at their Extraordinary General Meeting held on October 07, 2024, our Company was converted from a Private Limited Company to Public Limited Company and consequently, the name of our Company was changed to "R. P. Multimetals Limited" and a Fresh Certificate of Incorporation consequent to Conversion was issued on November 06, 2024, by the Central Processing Centre. The Corporate Identification Number of our Company is U27109PB1997PLC020837. For further details of change in name and change in Registered Office of our Company, please refer to section titled 'Our History and Certain Other Corporate Matters' beginning on page 193 of the Draft Red Herring Prospectus.

Registered Office: Amloh Road, Village Salani, Mandi Gobindgarh, Salana, Fatehgarh Sahib, Amloh (P), Punjab, India, 147301
Contact Person: Ms. Rajwinder Kaur Email Id: compliance@rpmultimetals.in Tel No: +91 9914209919; Website: https://rpmultimetals.in/
Promoters of our Company: Mr. Narain Singla, Mr. Ashish Singla, Mr. Gopal Singla, Mr. Yograj Singla and M/s Gopal Castings Private Limited

"THE ISSUE IS BEING MADE IN ACCORDANCE WITH CHAPTER IX OF THE SEBI ICDR REGULATIONS (IPO OF SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES) AND THE EQUITY SHARES ARE PROPOSED TO BE LISTED ON SME PLATFORM OF BSE LIMITED."

THE ISSUE

INITIAL PUBLIC ISSUE OF UP TO 50,47,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10.00 EACH ("EQUITY SHARES") OF R. P. MULTIMETALS LIMITED (THE "COMPANY" OR THE "ISSUER") FOR CASH AT A PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE (THE "ISSUE PRICE") AGGREGATING UP TO ₹ [●] LAKHS ("THE ISSUE") OF WHICH UP TO 2,53,000 EQUITY SHARES AGGREGATING TO ₹ [●] LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY MARKET MAKER TO THE ISSUE (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE ISSUE LESS THE MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. NET ISSUE OF UP TO 47,94,000 EQUITY SHARES AGGREGATING TO ₹ [●] LAKHS (THE "NET ISSUE"). THE ISSUE AND THE NET ISSUE WILL CONSTITUTE 26.50% AND 25.17% RESPECTIVELY OF THE POST ISSUE PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

THE PRICE BAND AND THE MINIMUM BID LOT WILL BE DECIDED BY OUR COMPANY IN CONSULTATION WITH THE BRLMS AND WILL BE ADVERTISED IN [●] EDITION OF [●] (A WIDELY CIRCULATED ENGLISH NATIONAL DAILY NEWSPAPER) AND [●] EDITION OF [●] (A WIDELY CIRCULATED HINDI NATIONAL DAILY NEWSPAPER, AND [●] EDITION OF [●], A PUNJABI REGIONAL NEWSPAPER (PUNJABI BEING THE REGIONAL LANGUAGE OF MANDI GOBINDGARH WHERE OUR REGISTERED OFFICE IS LOCATED), AT LEAST TWO WORKING DAYS PRIOR TO THE BID/ISSUE OPENING DATE AND SHALL BE MADE AVAILABLE TO THE SME PLATFORM OF BSE LIMITED ("BSE SME") FOR THE PURPOSES OF UPLOADING ON THEIR WEBSITE.

In case of any revision in the Price Band, the Bid/Issue Period shall be extended for at least three additional Working Days after such revision of the Price Band, subject to the total Bid/Issue Period not exceeding ten Working Days. In cases of force majeure, banking strike or similar unforeseen circumstances, our Company, for reasons to be recorded in writing, extends the Bid/Issue Period for a minimum of one working day, subject to the Bid/Issue Period not exceeding ten working days. Any revision in the Price Band, and the revised Bid/Issue Period, if applicable, shall be widely disseminated by notification to the Stock Exchanges by issuing a press release and also by indicating the change on the website of the BRLM and at the terminals of the Members of the Syndicate and by intimation to Designated Intermediaries and Sponsor Bank.

This Issue is being made through the Book Building Process, in terms of Rule 19(2)(b) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended ("SCRR") read with Regulation 229 of the SEBI ICDR Regulations and in compliance with Regulation 253 of the SEBI ICDR Regulations wherein not more than 50.00% of the Net Issue shall be available for allocation on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers ("QIBs") (the "QIB Portion"), provided that our Company in consultation with the BRLM may allocate up to 60.00% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis in accordance with the SEBI ICDR Regulations ("Anchor Investor Portion"), of which one-third shall be reserved for domestic Mutual Funds, subject to valid Bids being received from domestic Mutual Funds at or above the Anchor Investor Allocation Price. In the event of under-subscription or non-allocation in the Anchor Investor Portion, the balance Equity Shares shall be added to the Net QIB Portion (other than the Anchor Investor Portion) ("Net QIB Portion"). Further, 5.00% of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to Mutual Funds only, and the remainder of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to all QIB Bidders, including Mutual Funds, subject to valid Bids being received at or above the Issue Price. However, if the aggregate demand from Mutual Funds is less than 5.00% of the Net QIB Portion, the balance Equity Shares available for allocation in the Mutual Fund Portion will be added to the remaining Net QIB Portion for proportionate allocation to QIBs. Further, not less than 15.00% of the Net Offer shall be available for allocation on a proportionate basis to Non-Institutional Investors (where one third of the portion available to non-institutional investors shall be reserved for applicants with application size of more than two lots and up to such lots equivalent to not more than ₹ 10 lakhs and two third of the portion available to non-institutional investors shall be reserved for applicants with application size of more than ₹ 10 lakhs) and not less than 35.00% of the Net Offer shall be available for allocation to Individual Investors who applies for minimum application size in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids being received from them at or above the Issue Price. All potential Bidders (except Anchor Investors) are required to mandatorily utilise the Application Supported by Blocked Amount ("ASBA") process providing details of their respective ASBA accounts, and UPI ID in case of IBs using the UPI Mechanism, if applicable, in which the corresponding Bid Amounts will be blocked by the SCSBs or by the Sponsor Bank under the UPI Mechanism, as the case may be, to the extent of respective Bid Amounts. Anchor Investors are not permitted to participate in the Issue through the ASBA process. For details, see "Issue Procedure" beginning on page 322 of this Draft Red Herring Prospectus.

This public announcement is being made in compliance with the Regulation 247 of SEBI (ICDR) Regulations, 2018 and SEBI (ICDR) (Amendment) Regulations, 2025 vide notification dated March 03rd, 2025, and applicability of corporate governance provisions under SEBI (LODR) Regulations, 2015 on SME companies to inform the public that our Company is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake initial public offering of its Equity Shares pursuant to the offer and DRHP dated July 09, 2025 which has been filed with the SME Platform of BSE Limited.

Pursuant to SEBI (ICDR) (Amendment) Regulations, 2025 on March 03rd, 2025 and applicability of corporate governance provisions under SEBI (LODR) Regulations, 2015 on SME companies, for fulfilling all additional eligibility criteria, the DRHP filed with the SME Platform of BSE Limited (BSE SME) shall be made available to the public for comments, if any, for a period of at least 21 days, from the date of such filing by hosting it on the website of the BSE at https://www.bsesme.com/PublicIssues/SMEIPODRHP.aspx and the website of the Company at https://rpmultimetals.in/ and at the website of BRLM i.e. Fintellectual Corporate Advisors Private Limited at www.fintellectualadvisors.com. Our Company hereby invites the members of the public to give their comments on the DRHP filed with the SME Platform of BSE Limited (BSE SME) with respect to disclosures made in DRHP. The members of the public is requested to send a copy of their comments to Stock Exchange, to Company Secretary and Compliance Officer of our Company and/or the BRLM at their respective addresses mentioned below. All comments must be received by BSE, and/or our Company and/or Company Secretary and Compliance Officer of our Company and/or the BRLM in relation to the offer on or before 5 p.m. on the 21st day from the aforesaid date of filing the DRHP with BSE SME.

Investments in Equity and Equity related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this issue unless they can afford to take the risk of losing their entire investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in the Issue. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of our Company and the Issue including the risks involved. The Equity Shares issued in the Issue have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India ("SEBI"), nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the Draft Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to the section "Risk Factors" beginning on page 29 of this Draft Red Herring Prospectus.

Any decision to invest in the equity shares described in the Draft Red Herring Prospectus may only be taken after a Red Herring Prospectus has been filed with the ROC and must be made solely on the basis of such Red Herring Prospectus as there may be material changes in the Red Herring Prospectus from the Draft Red Herring Prospectus. The equity shares, when offered through the Red Herring Prospectus, are proposed to be listed on SME Platform of BSE LIMITED ("SME BSE").

For details of the share capital and capital structure of our Company and the names of the signatories to the Memorandum of Association and the number of shares subscribed by them of our Company, see "Capital Structure" beginning on page 83 of the Draft Red Herring Prospectus. The liability of the members of our Company is limited. For details of the main objects of our Company as contained in our Memorandum of Association, see "Our History and Certain Other Corporate Matters " beginning on page 193 of the Draft Red Herring Prospectus.

BOOK RUNNING LEAD MANAGER	REGISTRAR TO THE ISSUE	COMPANY SECRETARY AND COMPLIANCE OFFICER
FINTELLECTUAL CORPORATE ADVISORS	Skyline Financial Services Pvt. Ltd.	Ms. Rajwinder Kaur
FINTELLECTUAL CORPORATE ADVISORS PRIVATE LIMITED SEBI Registration No.: INM000012944 Address: B-20, Second Floor, Sector- 1, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh- 201301 Telephone No: +91-120-4266080 Website: www.fintellectualadvisors.com Email ID: ipo@fintellectualadvisors.com Contact Person: Mr. Amit Puri/ Mr. Pramod Negi	SKYLINE FINANCIAL SERVICES PRIVATE LIMITED SEBI Registration No.: INR000003241 Address: D-153A, 1st Floor, Okhla Industrial Area Phase-I, New Delhi - 110020, India Telephone No: 011-40450193-197 Email: ipo@skylinerta.com Website: https://www.skylinerta.com/ Contact Person: Mr. Anuj Rana	Address: Amloh Road, Village Salani, Mandi Gobindgarh, Salana, Fatehgarh Sahib, Amloh (P), Punjab, India, 147301 Tel.: +91 9914209919; E-mail: compliance@rpmultimetals.in Website: https://rpmultimetals.in/ *Investors can contact our Company Secretary and Compliance Officer, the Lead Managers or the Registrar to the Issue, in case of any pre-issue or post-issue related problems, such as non-receipt of letters of allotment, non-credit of allotted Equity Shares in the respective beneficiary account, non-receipt of refund orders and non-receipt of funds by electronic mode etc.*

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed to them in the DRHP.

For R. P. Multimetals Limited
On Behalf of the Board of Directors
Sd/-
Ms. Rajwinder Kaur
Company Secretary and Compliance Officer

Place: Mandi Gobindgarh, Punjab
Date: July 11, 2025

Disclaimer: R. P. Multimetals Limited is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to make an initial public offer of its Equity Shares and has filed the Draft Red Herring Prospectus on July 11, 2025. The Draft Red Herring Prospectus is available on the website of BSE SME at https://www.bsesme.com/PublicIssues/SMEIPODRHP.aspx and is available on the websites of the BRLM at www.fintellectualadvisors.com and also on the website of the Company https://rpmultimetals.in/. Any potential investors should note that Investments in Equity and Equity related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this issue unless they can afford to take the risk of losing their entire investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in the Issue. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of our Company and the Issue including the risks involved. The Equity Shares issued in the Issue have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India ("SEBI"), nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the Draft Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to the section "Risk Factors" beginning on page 29 of this Draft Red Herring Prospectus.

The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S Securities Act of 1933, as amended (U.S. Securities Act) or any state securities laws in the United States and may not be offered or sold within the United States or to, or for the account or benefit of, U.S Persons (as defined in Regulation), except pursuant to exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities laws. Accordingly, the Equity Shares are being offered and sold only outside the United States in offshore transaction in reliance on Regulation S under the U.S Securities Act and the applicable laws of the jurisdiction where those offers and sale occur. The Equity Shares have not been and will not be registered, listed or otherwise qualified in any other jurisdiction outside India and may not be offered or sold, and application may not be made by persons in any such jurisdiction, except in compliance with the applicable laws of such jurisdiction.

बाजार
हलचल

निफ्टी में उतारचढ़ाव जारी रहेगा

निफ्टी-50 पिछले एक पखवाड़े में 2 फीसदी लुढ़क चुका है और इसमें उतारचढ़ाव जारी रहने की संभावना है क्योंकि टैरिफ की सुर्खियां और आय के सीजन की धीमी शुरुआत संयोग से एक ही समय पर देखने को मिली। 25,150 के आखिरी बंद स्तर पर सूचकांक अपने 20 दिन के एक्सपोनेंशियल मूविंग ऐवरेज से नीचे फिसल गया। सैमको सिक्योरिटीज के डेरिवेटिव विश्लेषक धुपेश धमीजा का मानना है कि यह एक नकारात्मक संकेत है, जो आगे भी कमजोरी बने रहने की ओर इशारा करता है। उन्होंने कहा कि साप्ताहिक चार्ट, कमजोर बंद स्तर और बाजार में चढ़ने व गिरने वाले शेयरों का घटता अनुपात इस निराशा को और पुष्ट करती है। धमीजा ने कहा, 25,300 का स्तर प्रतिरोध स्तर बन गया है। शुक्रवार के 25,129 के निचले स्तर के टूटने से और अधिक गिरावट की गुंजाइश बनेगी। केवल 25,350 से ऊपर की निरंतर बढ़त ही तेजड़ियों को फिर से लुभाएगी।

एसबीआई ला रहा बड़ा क्यूआईपी

भारतीय स्टेट बैंक पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 25,000 करोड़ रुपये जुटाने जा रहा है, जो देसी बाजार में अब तक का सबसे बड़ा क्यूआईपी होगा। बैंक का शेयर 2026-27 के खाताबही और उधारी की वृद्धि के 1.3 गुने पर कारोबार कर रहा है, जो पूरे सिस्टम को पीछे छोड़ रहा है, ऐसे में मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। यह पेशकश एसबीआई को जून 2017 के क्यूआईपी की याद ताजा करने का मौका देगी। तब बैंक ने 287.25 रुपये के भाव पर 15,000 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे, पर अगले कुछ महनों में कीमतें 15 फीसदी से ज्यादा घट गई थी। एक बैंकर ने कहा, यह सौदा तब आया था जब सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को लेकर सेंटिमेंट कमजोर था, हालांकि आज स्थिति काफी अलग है।

ग्रे मार्केट में हलचल

एंथम बायोसाइंसेज के 3,395 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम से पहले ग्रे मार्केट में इसका प्रीमियम 20 फीसदी है, जो हाल के इश्यू के अच्छे जीएमपी में से एक है। यह प्रीमियम इस कंपनी के लिए निवेशकों की तरफ से किए जाने वाले भुगतान की इच्छा को प्रतिबिंबित करता है क्योंकि ज्यादातर सूचीबद्ध समकक्ष कंपनियो का पीई पहले से ही 80 गुना है। 31,867 करोड़ रुपये की बाजार कीमत पर एंथम का मूल्यांकन 2024-25 के उसके 451 करोड़ रुपये के मुनाफे का 70 गुना है। जिस पर विश्लेषकों का तर्क है कि कंपनी के नकदी भंडार, उच्च वृद्धि और बेमिसाल शुल्क-सेवा मॉडल को देखते हुए यह मूल्य निर्धारण उचित है।

संकलन : समी मोडक

रेलिगेयर में गवर्नेंस पर इनगवर्न ने जताई चिंता

इनगवर्न रिसर्च सर्विसेज ने रेलिगेयर एंटरप्राइजेज (आरईएल) में गवर्नेंस को लेकर संभावित खामियां, उसकी स्वास्थ्य बीमा शाखा केयर हेल्थ इंश्योरेंस (सीएचआईएल) में अघोषित हितों के टकराव और पूर्व चेयरमैन रश्मि सलूजा को दिए गए इम्पलॉई स्टॉक ऑप्शंस (ईएसओपी) की वापसी को लेकर लगातार अस्पष्टता पर चिंता जताई है।

इनगवर्न का कहना है कि प्रताप वेणुगोपाल की दोहरी भूमिका से गवर्नेंस पर मौलिक सवाल उठते हैं। वे आरईएल के बाहरी कानूनी सलाहकार के साथ-साथ केयर हेल्थ इंश्योरेंस में स्वतंत्र निदेशक भी थे।

फर्म का तर्क है कि इस व्यवस्था के कारण आरईएल की नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) की स्वतंत्रता से समझौता हुआ है और ऐसा लगता है कि विवाद पर डिस्क्लोजर को पारदर्शी रूप से नहीं बताया गया।

रेलिगेयर ने ईमेल के जवाब में कहा, आईआरडीएआई ने आदेश जारी कर सलूजा को ईसॉप्स जारी करने को अवैध ठहराया था। केयर हेल्थ इंश्योरेंस ने सलूजा के निर्देशों पर सैट के समक्ष अपील दायर की थी, जो उस समय कंपनी के निदेशक मंडल में गैर-कार्यकारी अध्यक्ष थी। सलूजा को बोर्ड से हटाए जाने के बाद कंपनी ने अपील वापस लेने का फैसला किया। हम आगे कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते क्योंकि इन मसलों की आंतरिक रूप से जांच की जा रही है।

जुलाई 2024 में बीमा नियामक आईआरडीएआई ने केयर हेल्थ पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था और उसे 45.32 रुपये प्रति शेयर की दर से दिए गए 75.7 लाख ईसॉप्स वापस खरीदने और बाकी 151.4 लाख को रद्द करने का आदेश दिया था। इनगवर्न की रिपोर्ट में कहा गया है कि केयर हेल्थ के 80 फीसदी से अधिक ईसॉप्स सलूजा को आवंटित किए गए थे जो कंपनी की शेयर पूंजी का 2.5 फीसदी हैं और जिनकी लागत अंततः आरईएल के शेयरधारकों ने उठाई। स्वीकृत शेयरों की कीमत उस 110 रुपये प्रति शेयर की आधी से भी कम थी जिस पर आरईएल ने बाद में इक्विटी जुटाई थी। इससे निष्पक्षता पर संदेह पैदा हुआ था। *बीएस*

नियामकीय परेशानी से यूनाइटेड स्पिरिट्स पर दबाव

आबकारी झटकों, नरम वॉल्यूम और घटते मार्जिन से वित्त वर्ष 2025-26 में सबसे बड़ी सूचीबद्ध शराब निर्माता कंपनी का स्वाद फीका पड़ा

राम प्रसाद साहू
मुंबई, 13 जुलाई

देश की सबसे बड़ी सूचीबद्ध शराब निर्माता कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट्स (यूएसएल) का शेयर पिछले एक महीने में 10 प्रतिशत तक गिर गया। इस क्षेत्र की अन्य कंपनियों के मुकाबले वह पीछे रह गया है। यह गिरावट महाराष्ट्र में आबकारी शुल्क में तेज वृद्धि, ऊंचे आधार प्रभाव और मार्जिन वृद्धि में अभाव के कारण आई। इन सभी कारणों से ब्रोकरों ने वित्त वर्ष 2026 के बिक्री और आय अनुमानों को घटा दिया है। उनके इस तरह का सतर्क रुख दो साल की मजबूत परिचालन और मुनाफा वृद्धि के बाद आया है। कई चुनौतियों की वजह से विश्लेषकों का मानना है कि अल्पावधि में शेयर पर दबाव रहेगा।

कुछ चेतावनी संकेत तो जल्द ही यानी अप्रैल-जून तिमाही के प्रदर्शन में ही दिख सकते हैं। लेकिन जहां संपूर्ण शराब निर्माण क्षेत्र नियामकीय दिकक्तों से जूझ रहा है, वहीं रेडिको खेतान जैसी कंपनियां अभी भी बढ़त में हैं।

यूएसएल के प्रेस्टीज ऐंड एबव (पीऐंडए) पोर्टफोलियो यानी शराब के महंगे ब्रांडों में धीमी वृद्धि की संभावना है। इसका एक कारण पिछले साल चुनाव के कारण जमा हुए भंडार का ऊंचा आधार है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि महाराष्ट्र में हाल के नीतिगत बदलावों का असर पहली तिमाही की बिक्री में भी दिख सकता है। यूएसएल की बिक्री में 6 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है, जो अगर आंध्र प्रदेश को अलग कर दें तो 3 प्रतिशत रह जाएगी। इसके विपरीत रेडिको में 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान है जो बाजार हिस्सेदारी बढ़ने और इनोवेशन के कारण बिक्री में 17.5 प्रतिशत की तेजी से संभव है।

यूएसएल के परिचालन मार्जिन पर भी दबाव के आसार हैं, क्योंकि बढ़ते विज्ञापन खर्च और कमजोर लागत दक्षता का प्रभाव देखा जा सकता है।

यूएसएल की पकड़ ढीली, रेडिको की बढ़त कायम

(वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही)

प्रदर्शन	यूनाइटेड स्पिरिट्स	रेडिको खेतान
शुद्ध बिक्री (करोड़ रुपये)	2,497	1,363
सालाना बदलाव (% में)	6.2	20
परिचालन लाभ (करोड़ रुपये)	412	195
सालाना बदलाव (% में)	-10	30.9
परिचालन लाभ मार्जिन (%)	16.5	14.3
शुद्ध लाभ (करोड़ रुपये)	289	110
सालाना बदलाव (% में)	-3.1	43.2

स्रोत: इलारा सिक्योरिटीज

यूएसएल के परिचालन मार्जिन में भी कमी की आशंका है जो ज्यादा विज्ञापन खर्च और कमजोर लागत लाभ के कारण सुस्त रह सकता है। इलारा सिक्योरिटीज के करण तौरानी का कहना है कि पिछले साल के ऊंचे आधार और पहली तिमाही में अग्रिम प्रचार खर्च की वजह से मार्जिन में 300 आधार अंक की कमी आ सकती है और यह सालाना आधार पर घटकर 16.5 प्रतिशत रह सकता है।

निवेशकों की एक बड़ी चिंता महाराष्ट्र सरकार द्वारा स्पिरिट पर उत्पाद शुल्क में भारी वृद्धि है। लोअर-प्रेस्टीज और मिड-प्रेस्टीज सेगमेंटों की खुदरा कीमतें 30-45 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। ये सेगमेंट यूएसएल की कुल बिक्री का 13 प्रतिशत और उसकी वैल्यू का 11 प्रतिशत हिस्सा हैं।

कोटक सिक्योरिटीज के विश्लेषक जयकुमार दोशी आगाह करते हैं कि यह कदम चिंताजनक है क्योंकि राज्य शराब पर कर का इस्तेमाल लोकलुभावन चुनावी वादों को पूरा करने के लिए कर रहे हैं और भारत में निर्मित विदेशी ब्रांडों के बजाय राज्य द्वारा उत्पादित शराब के पक्ष में नीतियां बना रहे हैं। नीतिगत स्तर पर अपेक्षाकृत खामोशी के बाद इस बदलाव ने नियामकीय अनिश्चितता की चिंता को फिर से बढ़ा दी है। ब्रोकरेज ने वित्त वर्ष 2026 से 2027-28 तक प्रति शेयर आय के अनुमानों को 3-6 प्रतिशत तक घटा दिया है।

दौलत कैपिटल को उत्पाद शुल्क में बढ़ोतरी से तीन तरफा नुकसान की आशंका दिखती है। विश्लेषक हिमांशु शाह और मोहित रजनी के अनुसार इसमें ऊंची खुदरा कीमतों के कारण बिक्री में कमी, सस्ते सेगमेंट की ओर झुकाव और चैनल मार्जिन को सहारा देने के लिए एक्स-डिस्टिलरी कीमतों में गिरावट शामिल है।

ब्रोकरेज को जुलाई-सितंबर तिमाही में और दबाव की आशंका है। ब्रोकरेज ने वित्त वर्ष 2026 के परिचालन लाभ अनुमानों में 4 प्रतिशत और शुद्ध आय में 13 प्रतिशत की कटौती की है जिससे 2026-27 के लिए पीई मल्टीपल 60 गुना से घटकर 50 गुना रह जाने का अनुमान है।

हालांकि कई ब्रोकर ऐसे कारक बता रहे हैं जो इस झटके को कम कर सकते हैं। इनमें दिल्ली सरकार की संशोधित आबकारी नीति, चुनावों के बाद बिहार में शराब बाजार का फिर से खुलना और भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते से संभावित लाभ शामिल हैं जिससे उत्पादन लागत में कमी आ सकती है। फिर भी नियामकीय अनिश्चितता और वृद्धि की अनिश्चित राह को देखते हुए ज्यादातर ब्रोकरेज ने इस शेयर पर 'तटस्थ' या 'बेचें' रेटिंग बरकरार रखी है।

आईपीओ में पिछले साल जैसी दिलचस्पी नहीं

सुंदर सेतुरामन
मुंबई, 13 जुलाई

पिछले साल सार्वजनिक निर्गमों (आईपीओ) में व्यक्तिगत निवेशकों की जिस तरह की दिलचस्पी नजर आई थी, वह 2025 में गायब है। कम से कम आवेदनों की संख्या से यही झलकता है। इस साल के पहले 28 आईपीओ में औसतन केवल 12.2 लाख रिटेल आवेदन आए हैं, जो 2024 में 91 आईपीओ में आए 19 लाख आवेदनों के मुकाबले 35.5 प्रतिशत कम है। अमीर लोगों यानी 'एचएनआई' की भागीदारी में भी गिरावट आई है जो प्रति निर्गम 31 प्रतिशत कम है।

जनवरी के बाद गिरावट शुरू हुई। उस महीने रिटेल बोलियों का औसत 32 लाख था, लेकिन फरवरी और जून के बीच यह घटकर केवल 7,80,000 रह गया। इसी अवधि में एचएनआई आवेदन 235,000 से घटकर 71,500 रह गए। हाल में आए 8 आईपीओ तो 10,000 एचएनआई आवेदन भी आकर्षित नहीं कर पाए। बाजार पर नजर रखने वाले जानकार लिस्टिंग के दिन के निराशाजनक प्रदर्शन और बड़े नामों वाले आईपीओ के अभाव को इस गिरावट का कारण बता रहे हैं।

प्राइम डेटाबेस के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिया ने कहा, 'छोटे निवेशक सामान्य तौर पर लिस्टिंग के दिन के फायदे के हिसाब को ध्यान में रखकर आईपीओ पर दांव लगाते हैं। वे ग्रे मार्केट प्रीमियम पर नजर रखते हैं और उसी हिसाब से निर्णय लेते हैं। बाजार नियामक सेबी के एक अध्ययन में इसकी पुष्टि हुई है। जब बाजार में तेजी रहती है तो वे फायदे की उम्मीद करते हैं। लेकिन जब ऐसा नहीं होता तो वे पीछे हट जाते हैं। इस साल की शुरुआत में हुई गिरावट के कारण लिस्टिंग लाभ पिछले साल जैसा नहीं रहा, जिस से रिटेल और एचएनआई कारोबार में गिरावट आई है।'

घटता आईपीओ आवेदन

साल	आईपीओ में औसत आवेदन	
	खुदरा	एचएनआई
2015	1,76,533	178
2016	4,43,060	572
2017	8,48,235	1,043
2018	5,15,399	766
2019	4,05,765	885
2020	12,77,053	3,792
2021	14,24,660	4,341
2022	5,66,178	19,470
2023	13,21,039	80,357
2024	18,86,784	1,44,044
2025*	12,17,125	99,042

एचएनआई : धनाढ्य निवेशक * 2025 के आंकड़े 10 जुलाई तक के
स्रोत : प्राइम डेटाबेस

सेबी के सितंबर 2024 के एक अध्ययन से पता चलता है कि रिटेल निवेशकों को आवंटित 42.7 प्रतिशत शेयर एक सप्ताह के भीतर ही बिक गए। अमीर निवेशकों के लिए यह आंकड़ा और भी ज्यादा (63.3 प्रतिशत) था। इस साल आईपीओ ने पहले दिन औसतन सिर्फ 13 प्रतिशत का लाभ दिया है जो पिछले साल के 30 प्रतिशत के आधे से भी कम है। कई मामलों में निवेशकों ने पहले ही दिन घाटा दर्ज किया है।

व्यापक बाजार ने आईपीओ के प्रति रिटेल निवेशकों के उत्साह बढ़ाने में न के बराबर योगदान दिया है। कमजोर आय, अमेरिकी टैरिफ अनिश्चितता और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निकासी के कारण हुई वैश्विक बिकवाली ने शेयर बाजार को नीचे धकेल दिया। मार्च दो साल में पहला ऐसा महीना रहा, जब एक भी आईपीओ नहीं आया। अमेरिका के टैरिफ वृद्धि पर रोक लगाने और भारतीय रिजर्व बैंक के ब्याज दरों में कटौती शुरू करने के बाद ही बाजार में सुधार हुआ जिससे अप्रैल के निचले स्तर से बाजार में 15 प्रतिशत की उछाल आई। मई और जून के बीच 14 आईपीओ आए जिनसे 26,671 करोड़ रुपये जुटाए गए।

एचडीबी फाइनैंशियल सर्विसेज, क्रिजैक और एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज सहित कुछ नई लिस्टिंग ने पहले दिन ही अच्छा लाभ दिया है। इस आधार पर बैंकरों का कहना है कि लोगों की दिलचस्पी फिर से बढ़ सकती है। उनका यह भी तर्क है कि हालांकि आवेदनों का आकार कम हुआ है लेकिन खुदरा तरलता बरकरार है।

सेंट्रम कैपिटल में निवेश बैंकिंग पार्टनर प्रांजल श्रीवास्तव ने कहा, 'म्युचुअल फंडों की व्यवस्थित निवेश योजनाओं (एसआईपी) में निरंतर योगदान को देखते हुए बाजारों में खुदरा भागीदारी मजबूत बनी हुई है। इससे लगता है कि आईपीओ में भागीदारी भी मजबूत हो सकती है। आवेदनों की संख्या भले ही कम हो, लेकिन उनकी वैल्यू पिछले साल के बराबर ही है।'

बाजार
हलचल

निफ्टी में उतारचढ़ाव जारी रहेगा

निफ्टी-50 पिछले एक पखवाड़े में 2 फीसदी लुढ़क चुका है और इसमें उतारचढ़ाव जारी रहने की संभावना है क्योंकि टैरिफ की सुर्खियां और आय के सीजन की धीमी शुरुआत संयोग से एक ही समय पर देखने को मिली। 25,150 के आखिरी बंद स्तर पर सूचकांक अपने 20 दिन के एक्सपोनेंशियल मूविंग ऐवरेज से नीचे फिसल गया। सैमको सिक्योरिटीज के डेरिवेटिव विश्लेषक धुपेश धमीजा का मानना है कि यह एक नकारात्मक संकेत है, जो आगे भी कमजोरी बने रहने की ओर इशारा करता है। उन्होंने कहा कि साप्ताहिक चार्ट, कमजोर बंद स्तर और बाजार में चढ़ने व गिरने वाले शेयरों का घटता अनुपात इस निराशा को और पुष्ट करती है। धमीजा ने कहा, 25,300 का स्तर प्रतिरोध स्तर बन गया है। शुक्रवार के 25,129 के निचले स्तर के टूटने से और अधिक गिरावट की गुंजाइश बनेगी। केवल 25,350 से ऊपर की निरंतर बढ़त ही तेजड़ियों को फिर से लुभाएगी।

एसबीआई ला रहा बड़ा क्यूआईपी

भारतीय स्टेट बैंक पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 25,000 करोड़ रुपये जुटाने जा रहा है, जो देसी बाजार में अब तक का सबसे बड़ा क्यूआईपी होगा। बैंक का शेयर 2026-27 के खाताबही और उधारी की वृद्धि के 1.3 गुने पर कारोबार कर रहा है, जो पूरे सिस्टम को पीछे छोड़ रहा है, ऐसे में मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। यह पेशकश एसबीआई को जून 2017 के क्यूआईपी की याद ताजा करने का मौका देगी। तब बैंक ने 287.25 रुपये के भाव पर 15,000 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे, पर अगले कुछ महनों में कीमतें 15 फीसदी से ज्यादा घट गई थी। एक बैंकर ने कहा, यह सौदा तब आया था जब सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को लेकर सेंटिमेंट कमजोर था, हालांकि आज स्थिति काफी अलग है।

ग्रे मार्केट में हलचल

एंथम बायोसाइंसेज के 3,395 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम से पहले ग्रे मार्केट में इसका प्रीमियम 20 फीसदी है, जो हाल के इश्यू के अच्छे जीएमपी में से एक है। यह प्रीमियम इस कंपनी के लिए निवेशकों की तरफ से किए जाने वाले भुगतान की इच्छा को प्रतिबिंबित करता है क्योंकि ज्यादातर सूचीबद्ध समकक्ष कंपनियो का पीई पहले से ही 80 गुना है। 31,867 करोड़ रुपये की बाजार कीमत पर एंथम का मूल्यांकन 2024-25 के उसके 451 करोड़ रुपये के मुनाफे का 70 गुना है। जिस पर विश्लेषकों का तर्क है कि कंपनी के नकदी भंडार, उच्च वृद्धि और बेमिसाल शुल्क-सेवा मॉडल को देखते हुए यह मूल्य निर्धारण उचित है।

संकलन : समी मोडक

रेलिगेयर में गवर्नेंस पर इनगवर्न ने जताई चिंता

इनगवर्न रिसर्च सर्विसेज ने रेलिगेयर एंटरप्राइजेज (आरईएल) में गवर्नेंस को लेकर संभावित खामियां, उसकी स्वास्थ्य बीमा शाखा केयर हेल्थ इंश्योरेंस (सीएचआईएल) में अघोषित हितों के टकराव और पूर्व चेयरमैन रश्मि सलूजा को दिए गए इम्पलॉई स्टॉक ऑप्शंस (ईएसओपी) की वापसी को लेकर लगातार अस्पष्टता पर चिंता जताई है।

इनगवर्न का कहना है कि प्रताप वेणुगोपाल की दोहरी भूमिका से गवर्नेंस पर मौलिक सवाल उठते हैं। वे आरईएल के बाहरी कानूनी सलाहकार के साथ-साथ केयर हेल्थ इंश्योरेंस में स्वतंत्र निदेशक भी थे।

फर्म का तर्क है कि इस व्यवस्था के कारण आरईएल की नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) की स्वतंत्रता से समझौता हुआ है और ऐसा लगता है कि विवाद पर डिस्क्लोजर को पारदर्शी रूप से नहीं बताया गया।

रेलिगेयर ने ईमेल के जवाब में कहा, आईआरडीएआई ने आदेश जारी कर सलूजा को ईसॉप्स जारी करने को अवैध ठहराया था। केयर हेल्थ इंश्योरेंस ने सलूजा के निर्देशों पर सैट के समक्ष अपील दायर की थी, जो उस समय कंपनी के निदेशक मंडल में गैर-कार्यकारी अध्यक्ष थी। सलूजा को बोर्ड से हटाए जाने के बाद कंपनी ने अपील वापस लेने का फैसला किया। हम आगे कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते क्योंकि इन मसलों की आंतरिक रूप से जांच की जा रही है।

जुलाई 2024 में बीमा नियामक आईआरडीएआई ने केयर हेल्थ पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था और उसे 45.32 रुपये प्रति शेयर की दर से दिए गए 75.7 लाख ईसॉप्स वापस खरीदने और बाकी 151.4 लाख को रद्द करने का आदेश दिया था। इनगवर्न की रिपोर्ट में कहा गया है कि केयर हेल्थ के 80 फीसदी से अधिक ईसॉप्स सलूजा को आवंटित किए गए थे जो कंपनी की शेयर पूंजी का 2.5 फीसदी हैं और जिनकी लागत अंततः आरईएल के शेयरधारकों ने उठाई। स्वीकृत शेयरों की कीमत उस 110 रुपये प्रति शेयर की आधी से भी कम थी जिस पर आरईएल ने बाद में इक्विटी जुटाई थी। इससे निष्पक्षता पर संदेह पैदा हुआ था। *बीएस*

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. NOT FOR RELEASE, PUBLICATION OR DISTRIBUTION DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

(Please scan this QR Code to view the DRHP)

PUBLIC ANNOUNCEMENT

R.P. MULTIMETALS LIMITED

R. P. MULTIMETALS LIMITED

(Formerly known as R. P. Multimetals Private Limited)
Corporate Identification Number: U27109PB1997PLC020837

Our Company was originally incorporated on December 15, 1997, as a Private Limited Company as "R. P. Multimetals Private Limited" vide Registration No. 020837 under the provisions of the Companies Act, 1956 with the Registrar of Companies, Punjab, H.P. & Chandigarh. Subsequently, pursuant to a special resolution passed by the Shareholders at their Extraordinary General Meeting held on October 07, 2024, our Company was converted from a Private Limited Company to Public Limited Company and consequently, the name of our Company was changed to "R. P. Multimetals Limited" and a Fresh Certificate of Incorporation consequent to Conversion was issued on November 06, 2024, by the Central Processing Centre. The Corporate Identification Number of our Company is U27109PB1997PLC020837. For further details of change in name and change in Registered Office of our Company, please refer to section titled 'Our History and Certain Other Corporate Matters' beginning on page 193 of the Draft Red Herring Prospectus.

Registered Office: Amloh Road, Village Salani, Mandi Gobindgarh, Salana, Fatehgarh Sahib, Amloh (P), Punjab, India, 147301
Contact Person: Ms. Rajwinder Kaur Email Id: compliance@rpmultimetals.in Tel No: +91 9914209919; Website: https://rpmultimetals.in/
Promoters of our Company: Mr. Narain Singla, Mr. Ashish Singla, Mr. Gopal Singla, Mr. Yograj Singla and M/s Gopal Castings Private Limited

"THE ISSUE IS BEING MADE IN ACCORDANCE WITH CHAPTER IX OF THE SEBI ICDR REGULATIONS (IPO OF SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES) AND THE EQUITY SHARES ARE PROPOSED TO BE LISTED ON SME PLATFORM OF BSE LIMITED."

THE ISSUE

INITIAL PUBLIC ISSUE OF UP TO 50,47,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10.00 EACH ("EQUITY SHARES") OF R. P. MULTIMETALS LIMITED (THE "COMPANY" OR THE "ISSUER") FOR CASH AT A PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE (THE "ISSUE PRICE") AGGREGATING UP TO ₹ [●] LAKHS ("THE ISSUE") OF WHICH UP TO 2,53,000 EQUITY SHARES AGGREGATING TO ₹ [●] LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY MARKET MAKER TO THE ISSUE (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE ISSUE LESS THE MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. NET ISSUE OF UP TO 47,94,000 EQUITY SHARES AGGREGATING TO ₹ [●] LAKHS (THE "NET ISSUE"). THE ISSUE AND THE NET ISSUE WILL CONSTITUTE 26.50% AND 25.17% RESPECTIVELY OF THE POST ISSUE PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

THE PRICE BAND AND THE MINIMUM BID LOT WILL BE DECIDED BY OUR COMPANY IN CONSULTATION WITH THE BRLMS AND WILL BE ADVERTISED IN [●] EDITION OF [●] (A WIDELY CIRCULATED ENGLISH NATIONAL DAILY NEWSPAPER) AND [●] EDITION OF [●] (A WIDELY CIRCULATED HINDI NATIONAL DAILY NEWSPAPER, AND [●] EDITION OF [●], A PUNJABI REGIONAL NEWSPAPER (PUNJABI BEING THE REGIONAL LANGUAGE OF MANDI GOBINDGARH WHERE OUR REGISTERED OFFICE IS LOCATED), AT LEAST TWO WORKING DAYS PRIOR TO THE BID/ISSUE OPENING DATE AND SHALL BE MADE AVAILABLE TO THE SME PLATFORM OF BSE LIMITED ("BSE SME") FOR THE PURPOSES OF UPLOADING ON THEIR WEBSITE.

In case of any revision in the Price Band, the Bid/Issue Period shall be extended for at least three additional Working Days after such revision of the Price Band, subject to the total Bid/Issue Period not exceeding ten Working Days. In cases of force majeure, banking strike or similar unforeseen circumstances, our Company, for reasons to be recorded in writing, extends the Bid/Issue Period for a minimum of one working day, subject to the Bid/Issue Period not exceeding ten working days. Any revision in the Price Band, and the revised Bid/Issue Period, if applicable, shall be widely disseminated by notification to the Stock Exchanges by issuing a press release and also by indicating the change on the website of the BRLM and at the terminals of the Members of the Syndicate and by intimation to Designated Intermediaries and Sponsor Bank.

This Issue is being made through the Book Building Process, in terms of Rule 19(2)(b) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended ("SCRR") read with Regulation 229 of the SEBI ICDR Regulations and in compliance with Regulation 253 of the SEBI ICDR Regulations wherein not more than 50.00% of the Net Issue shall be available for allocation on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers ("QIBs") (the "QIB Portion"), provided that our Company in consultation with the BRLM may allocate up to 60.00% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis in accordance with the SEBI ICDR Regulations ("Anchor Investor Portion"), of which one-third shall be reserved for domestic Mutual Funds, subject to valid Bids being received from domestic Mutual Funds at or above the Anchor Investor Allocation Price. In the event of under-subscription or non-allocation in the Anchor Investor Portion, the balance Equity Shares shall be added to the Net QIB Portion (other than the Anchor Investor Portion) ("Net QIB Portion"). Further, 5.00% of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to Mutual Funds only, and the remainder of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to all QIB Bidders, including Mutual Funds, subject to valid Bids being received at or above the Issue Price. However, if the aggregate demand from Mutual Funds is less than 5.00% of the Net QIB Portion, the balance Equity Shares available for allocation in the Mutual Fund Portion will be added to the remaining Net QIB Portion for proportionate allocation to QIBs. Further, not less than 15.00% of the Net Offer shall be available for allocation on a proportionate basis to Non-Institutional Investors (where one third of the portion available to non-institutional investors shall be reserved for applicants with application size of more than two lots and up to such lots equivalent to not more than ₹ 10 lakhs and two third of the portion available to non-institutional investors shall be reserved for applicants with application size of more than ₹ 10 lakhs) and not less than 35.00% of the Net Offer shall be available for allocation to Individual Investors who applies for minimum application size in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids being received from them at or above the Issue Price. All potential Bidders (except Anchor Investors) are required to mandatorily utilise the Application Supported by Blocked Amount ("ASBA") process providing details of their respective ASBA accounts, and UPI ID in case of IBs using the UPI Mechanism, if applicable, in which the corresponding Bid Amounts will be blocked by the SCSBs or by the Sponsor Bank under the UPI Mechanism, as the case may be, to the extent of respective Bid Amounts. Anchor Investors are not permitted to participate in the Issue through the ASBA process. For details, see "Issue Procedure" beginning on page 322 of this Draft Red Herring Prospectus.

This public announcement is being made in compliance with the Regulation 247 of SEBI (ICDR) Regulations, 2018 and SEBI (ICDR) (Amendment) Regulations, 2025 vide notification dated March 03rd, 2025, and applicability of corporate governance provisions under SEBI (LODR) Regulations, 2015 on SME companies to inform the public that our Company is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake initial public offering of its Equity Shares pursuant to the offer and DRHP dated July 09, 2025 which has been filed with the SME Platform of BSE Limited.

Pursuant to SEBI (ICDR) (Amendment) Regulations, 2025 on March 03rd, 2025 and applicability of corporate governance provisions under SEBI (LODR) Regulations, 2015 on SME companies, for fulfilling all additional eligibility criteria, the DRHP filed with the SME Platform of BSE Limited (BSE SME) shall be made available to the public for comments, if any, for a period of at least 21 days, from the date of such filing by hosting it on the website of the BSE at https://www.bsesme.com/PublicIssues/SMEIPODRHP.aspx and the website of the Company at https://rpmultimetals.in/ and at the website of BRLM i.e. Fintellectual Corporate Advisors Private Limited at www.fintellectualadvisors.com. Our Company hereby invites the members of the public to give their comments on the DRHP filed with the SME Platform of BSE Limited (BSE SME) with respect to disclosures made in DRHP. The members of the public is requested to send a copy of their comments to Stock Exchange, to Company Secretary and Compliance Officer of our Company and/or the BRLM at their respective addresses mentioned below. All comments must be received by BSE, and/or our Company and/or Company Secretary and Compliance Officer of our Company and/or the BRLM in relation to the offer on or before 5 p.m. on the 21st day from the aforesaid date of filing the DRHP with BSE SME.

Investments in Equity and Equity related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this issue unless they can afford to take the risk of losing their entire investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in the Issue. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of our Company and the Issue including the risks involved. The Equity Shares issued in the Issue have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India ("SEBI"), nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the Draft Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to the section "Risk Factors" beginning on page 29 of this Draft Red Herring Prospectus.

Any decision to invest in the equity shares described in the Draft Red Herring Prospectus may only be taken after a Red Herring Prospectus has been filed with the ROC and must be made solely on the basis of such Red Herring Prospectus as there may be material changes in the Red Herring Prospectus from the Draft Red Herring Prospectus. The equity shares, when offered through the Red Herring Prospectus, are proposed to be listed on SME Platform of BSE LIMITED ("SME BSE").

For details of the share capital and capital structure of our Company and the names of the signatories to the Memorandum of Association and the number of shares subscribed by them of our Company, see "Capital Structure" beginning on page 83 of the Draft Red Herring Prospectus. The liability of the members of our Company is limited. For details of the main objects of our Company as contained in our Memorandum of Association, see "Our History and Certain Other Corporate Matters " beginning on page 193 of the Draft Red Herring Prospectus.

BOOK RUNNING LEAD MANAGER	REGISTRAR TO THE ISSUE	COMPANY SECRETARY AND COMPLIANCE OFFICER
FINTELLECTUAL CORPORATE ADVISORS	Skyline Financial Services Pvt. Ltd.	**Ms. Rajwinder Kaur** **Address:** Amloh Road, Village Salani, Mandi Gobindgarh, Salana, Fatehgarh Sahib, Amloh (P), Punjab, India, 147301 **Tel.:** +91 9914209919; **E-mail:** compliance@rpmultimetals.in **Website:** https://rpmultimetals.in/
FINTELLECTUAL CORPORATE ADVISORS PRIVATE LIMITED **SEBI Registration No.:** INM000012944 **Address:** B-20, Second Floor, Sector- 1, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh- 201301 **Telephone No:** +91-120-4266080 **Website:** www.fintellectualadvisors.com **Email ID:** ipo@fintellectualadvisors.com Contact Person: Mr. Amit Puri/ Mr. Pramod Negi	**SKYLINE FINANCIAL SERVICES PRIVATE LIMITED** **SEBI Registration No.:** INR000003241 **Address:** D-153A, 1st Floor, Okhla Industrial Area Phase-I, New Delhi - 110020, India **Telephone No:** 011-40450193-197 **Email:** ipo@skylinerta.com **Website:** https://www.skylinerta.com/ **Contact Person:** Mr. Anuj Rana	*Investors can contact our Company Secretary and Compliance Officer, the Lead Managers or the Registrar to the Issue, in case of any pre-issue or post-issue related problems, such as non-receipt of letters of allotment, non-credit of allotted Equity Shares in the respective beneficiary account, non-receipt of refund orders and non-receipt of funds by electronic mode etc.*

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed to them in the DRHP.

For R. P. Multimetals Limited
On Behalf of the Board of Directors
Sd/-
Ms. Rajwinder Kaur
Company Secretary and Compliance Officer

Place: Mandi Gobindgarh, Punjab
Date: July 11, 2025

Disclaimer: R. P. Multimetals Limited is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to make an initial public offer of its Equity Shares and has filed the Draft Red Herring Prospectus on July 11, 2025. The Draft Red Herring Prospectus is available on the website of BSE SME at https://www.bsesme.com/PublicIssues/SMEIPODRHP.aspx and is available on the websites of the BRLM at www.fintellectualadvisors.com and also on the website of the Company https://rpmultimetals.in/. Any potential investors should note that Investments in Equity and Equity related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this issue unless they can afford to take the risk of losing their entire investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in the Issue. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of our Company and the Issue including the risks involved. The Equity Shares issued in the Issue have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India ("SEBI"), nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the Draft Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to the section "Risk Factors" beginning on page 29 of this Draft Red Herring Prospectus.

The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S Securities Act of 1933, as amended (U.S. Securities Act) or any state securities laws in the United States and may not be offered or sold within the United States or to, or for the account or benefit of, U.S Persons (as defined in Regulation), except pursuant to exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities laws. Accordingly, the Equity Shares are being offered and sold only outside the United States in offshore transaction in reliance on Regulation S under the U.S Securities Act and the applicable laws of the jurisdiction where those offers and sale occur. The Equity Shares have not been and will not be registered, listed or otherwise qualified in any other jurisdiction outside India and may not be offered or sold, and application may not be made by persons in any such jurisdiction, except in compliance with the applicable laws of such jurisdiction.

नियामकीय परेशानी से यूनाइटेड स्पिरिट्स पर दबाव

आबकारी झटकों, नरम वॉल्यूम और घटते मार्जिन से वित्त वर्ष 2025-26 में सबसे बड़ी सूचीबद्ध शराब निर्माता कंपनी का स्वाद फीका पड़ा

राम प्रसाद साहू
मुंबई, 13 जुलाई

देश की सबसे बड़ी सूचीबद्ध शराब निर्माता कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट्स (यूएसएल) का शेयर पिछले एक महीने में 10 प्रतिशत तक गिर गया। इस क्षेत्र की अन्य कंपनियों के मुकाबले वह पीछे रह गया है। यह गिरावट महाराष्ट्र में आबकारी शुल्क में तेज वृद्धि, ऊंचे आधार प्रभाव और मार्जिन वृद्धि में अभाव के कारण आई। इन सभी कारणों से ब्रोकरों ने वित्त वर्ष 2026 के बिक्री और आय अनुमानों को घटा दिया है। उनके इस तरह का सतर्क रुख दो साल की मजबूत परिचालन और मुनाफा वृद्धि के बाद आया है। कई चुनौतियों की वजह से विश्लेषकों का मानना है कि अल्पावधि में शेयर पर दबाव रहेगा।

कुछ चेतावनी संकेत तो जल्द ही यानी अप्रैल-जून तिमाही के प्रदर्शन में ही दिख सकते हैं। लेकिन जहां संपूर्ण शराब निर्माण क्षेत्र नियामकीय दिकक्तों से जूझ रहा है, वहीं रेडिको खेतान जैसी कंपनियां अभी भी बढ़त में हैं।

यूएसएल के प्रेस्टीज ऐंड एबव (पीऐंडए) पोर्टफोलियो यानी शराब के महंगे ब्रांडों में धीमी वृद्धि की संभावना है। इसका एक कारण पिछले साल चुनाव के कारण जमा हुए भंडार का ऊंचा आधार है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि महाराष्ट्र में हाल के नीतिगत बदलावों का असर पहली तिमाही की बिक्री में भी दिख सकता है। यूएसएल की बिक्री में 6 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है, जो अगर आंध्र प्रदेश को अलग कर दें तो 3 प्रतिशत रह जाएगी। इसके विपरीत रेडिको में 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान है जो बाजार हिस्सेदारी बढ़ने और इनोवेशन के कारण बिक्री में 17.5 प्रतिशत की तेजी से संभव है।

यूएसएल के परिचालन मार्जिन पर भी दबाव के आसार हैं, क्योंकि बढ़ते विज्ञापन खर्च और कमजोर लागत दक्षता का प्रभाव देखा जा सकता है।

यूएसएल की पकड़ ढीली, रेडिको की बढ़त कायम

(वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही)

प्रदर्शन	यूनाइटेड स्पिरिट्स	रेडिको खेतान
शुद्ध बिक्री (करोड़ रुपये)	2,497	1,363
सालाना बदलाव (% में)	6.2	20
परिचालन लाभ (करोड़ रुपये)	412	195
सालाना बदलाव (% में)	-10	30.9
परिचालन लाभ मार्जिन (%)	16.5	14.3
शुद्ध लाभ (करोड़ रुपये)	289	110
सालाना बदलाव (% में)	-3.1	43.2

स्रोत: इलारा सिक्योरिटीज

यूएसएल के परिचालन मार्जिन में भी कमी की आशंका है जो ज्यादा विज्ञापन खर्च और कमजोर लागत लाभ के कारण सुस्त रह सकता है। इलारा सिक्योरिटीज के करण तौरानी का कहना है कि पिछले साल के ऊंचे आधार और पहली तिमाही में अग्रिम प्रचार खर्च की वजह से मार्जिन में 300 आधार अंक की कमी आ सकती है और यह सालाना आधार पर घटकर 16.5 प्रतिशत रह सकता है।

निवेशकों की एक बड़ी चिंता महाराष्ट्र सरकार द्वारा स्पिरिट पर उत्पाद शुल्क में भारी वृद्धि है। लोअर-प्रेस्टीज और मिड-प्रेस्टीज सेगमेंटों की खुदरा कीमतें 30-45 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। ये सेगमेंट यूएसएल की कुल बिक्री का 13 प्रतिशत और उसकी वैल्यू का 11 प्रतिशत हिस्सा हैं।

कोटक सिक्योरिटीज के विश्लेषक जयकुमार दोशी आगाह करते हैं कि यह कदम चिंताजनक है क्योंकि राज्य शराब पर कर का इस्तेमाल लोकलुभावन चुनावी वादों को पूरा करने के लिए कर रहे हैं और भारत में निर्मित विदेशी ब्रांडों के बजाय राज्य द्वारा उत्पादित शराब के पक्ष में नीतियां बना रहे हैं। नीतिगत स्तर पर अपेक्षाकृत खामोशी के बाद इस बदलाव ने नियामकीय अनिश्चितता की चिंता को फिर से बढ़ा दी है। ब्रोकरेज ने वित्त वर्ष 2026 से 2027-28 तक प्रति शेयर आय के अनुमानों को 3-6 प्रतिशत तक घटा दिया है।

दौलत कैपिटल को उत्पाद शुल्क में बढ़ोतरी से तीन तरफा नुकसान की आशंका दिखती है। विश्लेषक हिमांशु शाह और मोहित रजनी के अनुसार इसमें ऊंची खुदरा कीमतों के कारण बिक्री में कमी, सस्ते सेगमेंट की ओर झुकाव और चैनल मार्जिन को सहारा देने के लिए एक्स-डिस्टिलरी कीमतों में गिरावट शामिल है।

ब्रोकरेज को जुलाई-सितंबर तिमाही में और दबाव की आशंका है। ब्रोकरेज ने वित्त वर्ष 2026 के परिचालन लाभ अनुमानों में 4 प्रतिशत और शुद्ध आय में 13 प्रतिशत की कटौती की है जिससे 2026-27 के लिए पीई मल्टीपल 60 गुना से घटकर 50 गुना रह जाने का अनुमान है।

हालांकि कई ब्रोकर ऐसे कारक बता रहे हैं जो इस झटके को कम कर सकते हैं। इनमें दिल्ली सरकार की संशोधित आबकारी नीति, चुनावों के बाद बिहार में शराब बाजार का फिर से खुलना और भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते से संभावित लाभ शामिल हैं जिससे उत्पादन लागत में कमी आ सकती है। फिर भी नियामकीय अनिश्चितता और वृद्धि की अनिश्चित राह को देखते हुए ज्यादातर ब्रोकरेज ने इस शेयर पर 'तटस्थ' या 'बेचें' रेटिंग बरकरार रखी है।

आईपीओ में पिछले साल जैसी दिलचस्पी नहीं

सुंदर सेतुरामन
मुंबई, 13 जुलाई

पिछले साल सार्वजनिक निर्गमों (आईपीओ) में व्यक्तिगत निवेशकों की जिस तरह की दिलचस्पी नजर आई थी, वह 2025 में गायब है। कम से कम आवेदनों की संख्या से यही झलकता है। इस साल के पहले 28 आईपीओ में औसतन केवल 12.2 लाख रिटेल आवेदन आए हैं, जो 2024 में 91 आईपीओ में आए 19 लाख आवेदनों के मुकाबले 35.5 प्रतिशत कम है। अमीर लोगों यानी 'एचएनआई' की भागीदारी में भी गिरावट आई है जो प्रति निर्गम 31 प्रतिशत कम है।

जनवरी के बाद गिरावट शुरू हुई। उस महीने रिटेल बोलियों का औसत 32 लाख था, लेकिन फरवरी और जून के बीच यह घटकर केवल 7,80,000 रह गया। इसी अवधि में एचएनआई आवेदन 235,000 से घटकर 71,500 रह गए। हाल में आए 8 आईपीओ तो 10,000 एचएनआई आवेदन भी आकर्षित नहीं कर पाए। बाजार पर नजर रखने वाले जानकार लिस्टिंग के दिन के निराशाजनक प्रदर्शन और बड़े नामों वाले आईपीओ के अभाव को इस गिरावट का कारण बता रहे हैं।

प्राइम डेटाबेस के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिया ने कहा, 'छोटे निवेशक सामान्य तौर पर लिस्टिंग के दिन के फायदे के हिसाब को ध्यान में रखकर आईपीओ पर दांव लगाते हैं। वे ग्रे मार्केट प्रीमियम पर नजर रखते हैं और उसी हिसाब से निर्णय लेते हैं। बाजार नियामक सेबी के एक अध्ययन में इसकी पुष्टि हुई है। जब बाजार में तेजी रहती है तो वे फायदे की उम्मीद करते हैं। लेकिन जब ऐसा नहीं होता तो वे पीछे हट जाते हैं। इस साल की शुरुआत में हुई गिरावट के कारण लिस्टिंग लाभ पिछले साल जैसा नहीं रहा, जिस से रिटेल और एचएनआई कारोबार में गिरावट आई है।'

घटता आईपीओ आवेदन

साल	आईपीओ में औसत आवेदन	
	खुदरा	एचएनआई
2015	1,76,533	178
2016	4,43,060	572
2017	8,48,235	1,043
2018	5,15,399	766
2019	4,05,765	885
2020	12,77,053	3,792
2021	14,24,660	4,341
2022	5,66,178	19,470
2023	13,21,039	80,357
2024	18,86,784	1,44,044
2025*	12,17,125	99,042

एचएनआई : धनाढ्य निवेशक * 2025 के आंकड़े 10 जुलाई तक के
स्रोत : प्राइम डेटाबेस

सेबी के सितंबर 2024 के एक अध्ययन से पता चलता है कि रिटेल निवेशकों को आवंटित 42.7 प्रतिशत शेयर एक सप्ताह के भीतर ही बिक गए। अमीर निवेशकों के लिए यह आंकड़ा और भी ज्यादा (63.3 प्रतिशत) था। इस साल आईपीओ ने पहले दिन औसतन सिर्फ 13 प्रतिशत का लाभ दिया है जो पिछले साल के 30 प्रतिशत के आधे से भी कम है। कई मामलों में निवेशकों ने पहले ही दिन घाटा दर्ज किया है।

व्यापक बाजार ने आईपीओ के प्रति रिटेल निवेशकों के उत्साह बढ़ाने में न के बराबर योगदान दिया है। कमजोर आय, अमेरिकी टैरिफ अनिश्चितता और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निकासी के कारण हुई वैश्विक बिकवाली ने शेयर बाजार को नीचे धकेल दिया। मार्च दो साल में पहला ऐसा महीना रहा, जब एक भी आईपीओ नहीं आया। अमेरिका के टैरिफ वृद्धि पर रोक लगाने और भारतीय रिजर्व बैंक के ब्याज दरों में कटौती शुरू करने के बाद ही बाजार में सुधार हुआ जिससे अप्रैल के निचले स्तर से बाजार में 15 प्रतिशत की उछाल आई। मई और जून के बीच 14 आईपीओ आए जिनसे 26,671 करोड़ रुपये जुटाए गए।

एचडीबी फाइनैंशियल सर्विसेज, क्रिजैक और एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज सहित कुछ नई लिस्टिंग ने पहले दिन ही अच्छा लाभ दिया है। इस आधार पर बैंकरों का कहना है कि लोगों की दिलचस्पी फिर से बढ़ सकती है। उनका यह भी तर्क है कि हालांकि आवेदनों का आकार कम हुआ है लेकिन खुदरा तरलता बरकरार है।

सेंट्रम कैपिटल में निवेश बैंकिंग पार्टनर प्रांजल श्रीवास्तव ने कहा, 'म्युचुअल फंडों की व्यवस्थित निवेश योजनाओं (एसआईपी) में निरंतर योगदान को देखते हुए बाजारों में खुदरा भागीदारी मजबूत बनी हुई है। इससे लगता है कि आईपीओ में भागीदारी भी मजबूत हो सकती है। आवेदनों की संख्या भले ही कम हो, लेकिन उनकी वैल्यू पिछले साल के बराबर ही है।'

बाजार
हलचल

निफ्टी में उतारचढ़ाव जारी रहेगा

निफ्टी-50 पिछले एक पखवाड़े में 2 फीसदी लुढ़क चुका है और इसमें उतारचढ़ाव जारी रहने की संभावना है क्योंकि टैरिफ की सुर्खियां और आय के सीजन की धीमी शुरुआत संयोग से एक ही समय पर देखने को मिली। 25,150 के आखिरी बंद स्तर पर सूचकांक अपने 20 दिन के एक्सपोनेंशियल मूविंग ऐवरेज से नीचे फिसल गया। सैमको सिक्योरिटीज के डेरिवेटिव विश्लेषक धुपेश धमीजा का मानना है कि यह एक नकारात्मक संकेत है, जो आगे भी कमजोरी बने रहने की ओर इशारा करता है। उन्होंने कहा कि साप्ताहिक चार्ट, कमजोर बंद स्तर और बाजार में चढ़ने व गिरने वाले शेयरों का घटता अनुपात इस निराशा को और पुष्ट करती है। धमीजा ने कहा, 25,300 का स्तर प्रतिरोध स्तर बन गया है। शुक्रवार के 25,129 के निचले स्तर के टूटने से और अधिक गिरावट की गुंजाइश बनेगी। केवल 25,350 से ऊपर की निरंतर बढ़त ही तेजड़ियों को फिर से लुभाएगी।

एसबीआई ला रहा बड़ा क्यूआईपी

भारतीय स्टेट बैंक पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 25,000 करोड़ रुपये जुटाने जा रहा है, जो देसी बाजार में अब तक का सबसे बड़ा क्यूआईपी होगा। बैंक का शेयर 2026-27 के खाताबही और उधारी की वृद्धि के 1.3 गुने पर कारोबार कर रहा है, जो पूरे सिस्टम को पीछे छोड़ रहा है, ऐसे में मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। यह पेशकश एसबीआई को जून 2017 के क्यूआईपी की याद ताजा करने का मौका देगी। तब बैंक ने 287.25 रुपये के भाव पर 15,000 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे, पर अगले कुछ महनों में कीमतें 15 फीसदी से ज्यादा घट गई थी। एक बैंकर ने कहा, यह सौदा तब आया था जब सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को लेकर सेंटिमेंट कमजोर था, हालांकि आज स्थिति काफी अलग है।

ग्रे मार्केट में हलचल

एंथम बायोसाइंसेज के 3,395 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम से पहले ग्रे मार्केट में इसका प्रीमियम 20 फीसदी है, जो हाल के इश्यू के अच्छे जीएमपी में से एक है। यह प्रीमियम इस कंपनी के लिए निवेशकों की तरफ से किए जाने वाले भुगतान की इच्छा को प्रतिबिंबित करता है क्योंकि ज्यादातर सूचीबद्ध समकक्ष कंपनियो का पीई पहले से ही 80 गुना है। 31,867 करोड़ रुपये की बाजार कीमत पर एंथम का मूल्यांकन 2024-25 के उसके 451 करोड़ रुपये के मुनाफे का 70 गुना है। जिस पर विश्लेषकों का तर्क है कि कंपनी के नकदी भंडार, उच्च वृद्धि और बेमिसाल शुल्क-सेवा मॉडल को देखते हुए यह मूल्य निर्धारण उचित है।

संकलन : समी मोडक

रेलिगेयर में गवर्नेंस पर इनगवर्न ने जताई चिंता

इनगवर्न रिसर्च सर्विसेज ने रेलिगेयर एंटरप्राइजेज (आरईएल) में गवर्नेंस को लेकर संभावित खामियां, उसकी स्वास्थ्य बीमा शाखा केयर हेल्थ इंश्योरेंस (सीएचआईएल) में अघोषित हितों के टकराव और पूर्व चेयरमैन रश्मि सलूजा को दिए गए इम्पलॉई स्टॉक ऑप्शंस (ईएसओपी) की वापसी को लेकर लगातार अस्पष्टता पर चिंता जताई है।

इनगवर्न का कहना है कि प्रताप वेणुगोपाल की दोहरी भूमिका से गवर्नेंस पर मौलिक सवाल उठते हैं। वे आरईएल के बाहरी कानूनी सलाहकार के साथ-साथ केयर हेल्थ इंश्योरेंस में स्वतंत्र निदेशक भी थे।

फर्म का तर्क है कि इस व्यवस्था के कारण आरईएल की नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) की स्वतंत्रता से समझौता हुआ है और ऐसा लगता है कि विवाद पर डिस्क्लोजर को पारदर्शी रूप से नहीं बताया गया।

रेलिगेयर ने ईमेल के जवाब में कहा, आईआरडीएआई ने आदेश जारी कर सलूजा को ईसॉप्स जारी करने को अवैध ठहराया था। केयर हेल्थ इंश्योरेंस ने सलूजा के निर्देशों पर सैट के समक्ष अपील दायर की थी, जो उस समय कंपनी के निदेशक मंडल में गैर-कार्यकारी अध्यक्ष थी। सलूजा को बोर्ड से हटाए जाने के बाद कंपनी ने अपील वापस लेने का फैसला किया। हम आगे कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते क्योंकि इन मसलों की आंतरिक रूप से जांच की जा रही है।

जुलाई 2024 में बीमा नियामक आईआरडीएआई ने केयर हेल्थ पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था और उसे 45.32 रुपये प्रति शेयर की दर से दिए गए 75.7 लाख ईसॉप्स वापस खरीदने और बाकी 151.4 लाख को रद्द करने का आदेश दिया था। इनगवर्न की रिपोर्ट में कहा गया है कि केयर हेल्थ के 80 फीसदी से अधिक ईसॉप्स सलूजा को आवंटित किए गए थे जो कंपनी की शेयर पूंजी का 2.5 फीसदी हैं और जिनकी लागत अंततः आरईएल के शेयरधारकों ने उठाई। स्वीकृत शेयरों की कीमत उस 110 रुपये प्रति शेयर की आधी से भी कम थी जिस पर आरईएल ने बाद में इक्विटी जुटाई थी। इससे निष्पक्षता पर संदेह पैदा हुआ था। *बीएस*

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. NOT FOR RELEASE, PUBLICATION OR DISTRIBUTION DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

(Please scan this QR Code to view the DRHP)

PUBLIC ANNOUNCEMENT

R.P. MULTIMETALS LIMITED

R. P. MULTIMETALS LIMITED

(Formerly known as R. P. Multimetals Private Limited)
Corporate Identification Number: U27109PB1997PLC020837

Our Company was originally incorporated on December 15, 1997, as a Private Limited Company as "R. P. Multimetals Private Limited" vide Registration No. 020837 under the provisions of the Companies Act, 1956 with the Registrar of Companies, Punjab, H.P. & Chandigarh. Subsequently, pursuant to a special resolution passed by the Shareholders at their Extraordinary General Meeting held on October 07, 2024, our Company was converted from a Private Limited Company to Public Limited Company and consequently, the name of our Company was changed to "R. P. Multimetals Limited" and a Fresh Certificate of Incorporation consequent to Conversion was issued on November 06, 2024, by the Central Processing Centre. The Corporate Identification Number of our Company is U27109PB1997PLC020837. For further details of change in name and change in Registered Office of our Company, please refer to section titled 'Our History and Certain Other Corporate Matters' beginning on page 193 of the Draft Red Herring Prospectus.

Registered Office: Amloh Road, Village Salani, Mandi Gobindgarh, Salana, Fatehgarh Sahib, Amloh (P), Punjab, India, 147301
Contact Person: Ms. Rajwinder Kaur Email Id: compliance@rpmultimetals.in Tel No: +91 9914209919; Website: https://rpmultimetals.in/
Promoters of our Company: Mr. Narain Singla, Mr. Ashish Singla, Mr. Gopal Singla, Mr. Yograj Singla and M/s Gopal Castings Private Limited

"THE ISSUE IS BEING MADE IN ACCORDANCE WITH CHAPTER IX OF THE SEBI ICDR REGULATIONS (IPO OF SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES) AND THE EQUITY SHARES ARE PROPOSED TO BE LISTED ON SME PLATFORM OF BSE LIMITED."

THE ISSUE

INITIAL PUBLIC ISSUE OF UP TO 50,47,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10.00 EACH ("EQUITY SHARES") OF R. P. MULTIMETALS LIMITED (THE "COMPANY" OR THE "ISSUER") FOR CASH AT A PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE (THE "ISSUE PRICE") AGGREGATING UP TO ₹ [●] LAKHS ("THE ISSUE") OF WHICH UP TO 2,53,000 EQUITY SHARES AGGREGATING TO ₹ [●] LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY MARKET MAKER TO THE ISSUE (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE ISSUE LESS THE MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. NET ISSUE OF UP TO 47,94,000 EQUITY SHARES AGGREGATING TO ₹ [●] LAKHS (THE "NET ISSUE"). THE ISSUE AND THE NET ISSUE WILL CONSTITUTE 26.50% AND 25.17% RESPECTIVELY OF THE POST ISSUE PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

THE PRICE BAND AND THE MINIMUM BID LOT WILL BE DECIDED BY OUR COMPANY IN CONSULTATION WITH THE BRLMS AND WILL BE ADVERTISED IN [●] EDITION OF [●] (A WIDELY CIRCULATED ENGLISH NATIONAL DAILY NEWSPAPER) AND [●] EDITION OF [●] (A WIDELY CIRCULATED HINDI NATIONAL DAILY NEWSPAPER, AND [●] EDITION OF [●], A PUNJABI REGIONAL NEWSPAPER (PUNJABI BEING THE REGIONAL LANGUAGE OF MANDI GOBINDGARH WHERE OUR REGISTERED OFFICE IS LOCATED), AT LEAST TWO WORKING DAYS PRIOR TO THE BID/ISSUE OPENING DATE AND SHALL BE MADE AVAILABLE TO THE SME PLATFORM OF BSE LIMITED ("BSE SME") FOR THE PURPOSES OF UPLOADING ON THEIR WEBSITE.

In case of any revision in the Price Band, the Bid/Issue Period shall be extended for at least three additional Working Days after such revision of the Price Band, subject to the total Bid/Issue Period not exceeding ten Working Days. In cases of force majeure, banking strike or similar unforeseen circumstances, our Company, for reasons to be recorded in writing, extends the Bid/Issue Period for a minimum of one working day, subject to the Bid/Issue Period not exceeding ten working days. Any revision in the Price Band, and the revised Bid/Issue Period, if applicable, shall be widely disseminated by notification to the Stock Exchanges by issuing a press release and also by indicating the change on the website of the BRLM and at the terminals of the Members of the Syndicate and by intimation to Designated Intermediaries and Sponsor Bank.

This Issue is being made through the Book Building Process, in terms of Rule 19(2)(b) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended ("SCRR") read with Regulation 229 of the SEBI ICDR Regulations and in compliance with Regulation 253 of the SEBI ICDR Regulations wherein not more than 50.00% of the Net Issue shall be available for allocation on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers ("QIBs") (the "QIB Portion"), provided that our Company in consultation with the BRLM may allocate up to 60.00% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis in accordance with the SEBI ICDR Regulations ("Anchor Investor Portion"), of which one-third shall be reserved for domestic Mutual Funds, subject to valid Bids being received from domestic Mutual Funds at or above the Anchor Investor Allocation Price. In the event of under-subscription or non-allocation in the Anchor Investor Portion, the balance Equity Shares shall be added to the Net QIB Portion (other than the Anchor Investor Portion) ("Net QIB Portion"). Further, 5.00% of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to Mutual Funds only, and the remainder of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to all QIB Bidders, including Mutual Funds, subject to valid Bids being received at or above the Issue Price. However, if the aggregate demand from Mutual Funds is less than 5.00% of the Net QIB Portion, the balance Equity Shares available for allocation in the Mutual Fund Portion will be added to the remaining Net QIB Portion for proportionate allocation to QIBs. Further, not less than 15.00% of the Net Offer shall be available for allocation on a proportionate basis to Non-Institutional Investors (where one third of the portion available to non-institutional investors shall be reserved for applicants with application size of more than two lots and up to such lots equivalent to not more than ₹ 10 lakhs and two third of the portion available to non-institutional investors shall be reserved for applicants with application size of more than ₹ 10 lakhs) and not less than 35.00% of the Net Offer shall be available for allocation to Individual Investors who applies for minimum application size in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids being received from them at or above the Issue Price. All potential Bidders (except Anchor Investors) are required to mandatorily utilise the Application Supported by Blocked Amount ("ASBA") process providing details of their respective ASBA accounts, and UPI ID in case of IBs using the UPI Mechanism, if applicable, in which the corresponding Bid Amounts will be blocked by the SCSBs or by the Sponsor Bank under the UPI Mechanism, as the case may be, to the extent of respective Bid Amounts. Anchor Investors are not permitted to participate in the Issue through the ASBA process. For details, see "Issue Procedure" beginning on page 322 of this Draft Red Herring Prospectus.

This public announcement is being made in compliance with the Regulation 247 of SEBI (ICDR) Regulations, 2018 and SEBI (ICDR) (Amendment) Regulations, 2025 vide notification dated March 03rd, 2025, and applicability of corporate governance provisions under SEBI (LODR) Regulations, 2015 on SME companies to inform the public that our Company is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake initial public offering of its Equity Shares pursuant to the offer and DRHP dated July 09, 2025 which has been filed with the SME Platform of BSE Limited.

Pursuant to SEBI (ICDR) (Amendment) Regulations, 2025 on March 03rd, 2025 and applicability of corporate governance provisions under SEBI (LODR) Regulations, 2015 on SME companies, for fulfilling all additional eligibility criteria, the DRHP filed with the SME Platform of BSE Limited (BSE SME) shall be made available to the public for comments, if any, for a period of at least 21 days, from the date of such filing by hosting it on the website of the BSE at https://www.bsesme.com/PublicIssues/SMEIPODRHP.aspx and the website of the Company at https://rpmultimetals.in/ and at the website of BRLM i.e. Fintellectual Corporate Advisors Private Limited at www.fintellectualadvisors.com. Our Company hereby invites the members of the public to give their comments on the DRHP filed with the SME Platform of BSE Limited (BSE SME) with respect to disclosures made in DRHP. The members of the public is requested to send a copy of their comments to Stock Exchange, to Company Secretary and Compliance Officer of our Company and/or the BRLM at their respective addresses mentioned below. All comments must be received by BSE, and/or our Company and/or Company Secretary and Compliance Officer of our Company and/or the BRLM in relation to the offer on or before 5 p.m. on the 21st day from the aforesaid date of filing the DRHP with BSE SME.

Investments in Equity and Equity related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this issue unless they can afford to take the risk of losing their entire investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in the Issue. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of our Company and the Issue including the risks involved. The Equity Shares issued in the Issue have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India ("SEBI"), nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the Draft Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to the section "Risk Factors" beginning on page 29 of this Draft Red Herring Prospectus.

Any decision to invest in the equity shares described in the Draft Red Herring Prospectus may only be taken after a Red Herring Prospectus has been filed with the ROC and must be made solely on the basis of such Red Herring Prospectus as there may be material changes in the Red Herring Prospectus from the Draft Red Herring Prospectus. The equity shares, when offered through the Red Herring Prospectus, are proposed to be listed on SME Platform of BSE LIMITED ("SME BSE").

For details of the share capital and capital structure of our Company and the names of the signatories to the Memorandum of Association and the number of shares subscribed by them of our Company, see "Capital Structure" beginning on page 83 of the Draft Red Herring Prospectus. The liability of the members of our Company is limited. For details of the main objects of our Company as contained in our Memorandum of Association, see "Our History and Certain Other Corporate Matters " beginning on page 193 of the Draft Red Herring Prospectus.

BOOK RUNNING LEAD MANAGER	REGISTRAR TO THE ISSUE	COMPANY SECRETARY AND COMPLIANCE OFFICER
FINTELLECTUAL CORPORATE ADVISORS	Skyline Financial Services Pvt. Ltd.	**Ms. Rajwinder Kaur** **Address:** Amloh Road, Village Salani, Mandi Gobindgarh, Salana, Fatehgarh Sahib, Amloh (P), Punjab, India, 147301 **Tel.:** +91 9914209919; **E-mail:** compliance@rpmultimetals.in **Website:** https://rpmultimetals.in/
FINTELLECTUAL CORPORATE ADVISORS PRIVATE LIMITED **SEBI Registration No.:** INM000012944 **Address:** B-20, Second Floor, Sector- 1, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh- 201301 **Telephone No:** +91-120-4266080 **Website:** www.fintellectualadvisors.com **Email ID:** ipo@fintellectualadvisors.com Contact Person: Mr. Amit Puri/ Mr. Pramod Negi	**SKYLINE FINANCIAL SERVICES PRIVATE LIMITED** **SEBI Registration No.:** INR000003241 **Address:** D-153A, 1st Floor, Okhla Industrial Area Phase-I, New Delhi - 110020, India **Telephone No:** 011-40450193-197 **Email:** ipo@skylinerta.com **Website:** https://www.skylinerta.com/ **Contact Person:** Mr. Anuj Rana	*Investors can contact our Company Secretary and Compliance Officer, the Lead Managers or the Registrar to the Issue, in case of any pre-issue or post-issue related problems, such as non-receipt of letters of allotment, non-credit of allotted Equity Shares in the respective beneficiary account, non-receipt of refund orders and non-receipt of funds by electronic mode etc.*

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed to them in the DRHP.

For R. P. Multimetals Limited
On Behalf of the Board of Directors
Sd/-
Ms. Rajwinder Kaur
Company Secretary and Compliance Officer

Place: Mandi Gobindgarh, Punjab
Date: July 11, 2025

Disclaimer: R. P. Multimetals Limited is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to make an initial public offer of its Equity Shares and has filed the Draft Red Herring Prospectus on July 11, 2025. The Draft Red Herring Prospectus is available on the website of BSE SME at https://www.bsesme.com/PublicIssues/SMEIPODRHP.aspx and is available on the websites of the BRLM at www.fintellectualadvisors.com and also on the website of the Company https://rpmultimetals.in/. Any potential investors should note that Investments in Equity and Equity related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this issue unless they can afford to take the risk of losing their entire investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in the Issue. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of our Company and the Issue including the risks involved. The Equity Shares issued in the Issue have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India ("SEBI"), nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the Draft Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to the section "Risk Factors" beginning on page 29 of this Draft Red Herring Prospectus.

The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S Securities Act of 1933, as amended (U.S. Securities Act) or any state securities laws in the United States and may not be offered or sold within the United States or to, or for the account or benefit of, U.S Persons (as defined in Regulation), except pursuant to exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities laws. Accordingly, the Equity Shares are being offered and sold only outside the United States in offshore transaction in reliance on Regulation S under the U.S Securities Act and the applicable laws of the jurisdiction where those offers and sale occur. The Equity Shares have not been and will not be registered, listed or otherwise qualified in any other jurisdiction outside India and may not be offered or sold, and application may not be made by persons in any such jurisdiction, except in compliance with the applicable laws of such jurisdiction.